PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 236 ● भिलाई, शनिवार 28 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे दो युवकों की दर्दनाक मौत

मुजफ्फरपुर। जिले में एक भीषण सड़क हादसे में दो होनहार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के कलमबाग चौक रोड के पास की है, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जानकारी के अनुसार, हादसा मोतीझील फ्लाईओवर के समीप आधी रात के बाद हुआ। दोनों युवक बाइक पर सवार होकर कहीं से लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर है

दो ट्रेलरों की आमने सामने भिड़ंत, 3 लोगों की जिंदा जलकर मौत

बांदा। जिले में रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां तेज रफ्तार दो ट्रेलरों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि दोनों गाड़ियों में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और वाहन के अंदर फंसे तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गई। यह पूरा मामला महोबा-बांदा नेशनल हाईवे का है। जहां कबरई से बांदा जा रहे गिट्टी भरे ट्रक और महोबा जा रहे खाली ट्रक की बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि तुरंत आग लग गई और आग के कारण दोनों वाहनों के दरवाजे ऑटोलॉक हो गए। जिसके कारण दोनों ट्रक के चालक-परिचालक अंदर ही फंसे रह गए। इस हादसे में तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। आस-पास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मुंबई में बिना वैध वीजा रहने वाली युगांडा की दो महिलाएं पकड़ी गई

मुंबई। मुंबई के वाकोला इलाके में पुलिस और एंटी-टेररिज्म सेल (एटीसी) की संयुक्त कार्रवाई में दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया है। ये दोनों महिलाएं बिना वैध वीजा के काफी समय से भारत में रह रही थी। पुलिस ने दोनों महिलाओं को हिरासत में लेने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान युगांडा की नागरिक नकायोंडो रोज (37) और केमिगिसा प्रोसकोविया (26) के रूप में हुई है। अब दोनों महिलाओं को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। युगांडा के दूतावास से भी संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों महिलाएं पिछले कुछ सालों से मुंबई के कालिना इलाके में रह रही थीं लेकिन इनके पास रहने के लिए वैध वीजा या जरूरी दस्तावेज नहीं थे।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ बड़ी बैठक

जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त लगाम लगाई जाए

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने के बढ़ते खतरे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक की है। इस आपातकालीन बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत के भीतर तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थितियां भले ही चुनौतीपूर्ण हों, लेकिन घरेलू स्तर पर आम नागरिक को किसी भी तरह की किल्लत का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्रियों को आगाह किया कि मिडिल ईस्ट का यह संकट लंबी मुसीबतें खड़ी कर सकता है, जिससे निपटने के लिए केंद्र सरकार हर संभव कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठा रही है। हालांकि, इन योजनाओं की जमीनी सफलता पूरी तरह राज्यों के समन्वय पर टिकी है। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से अपील की है कि वे अपने राज्यों में ऐसी सुदृढ़ व्यवस्था कायम करें जिससे जमाखोरी और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कृत्रिम बढ़ोतरी पर लगाम कसी जा सके। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र और राज्यों को एक परिवार की तरह एकजुट होकर काम करना होगा ताकि देश की अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर वैश्विक संकट की आंच न आए। इससे पहले सरकार ने नागरिकों को

आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है। युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का सीधा असर माल ढुलाई और अंततः खाने-पीने की चीजों के दाम पर पड़ता है। प्रधानमंत्री ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपनी कर संरचना और स्थानीय रसद को इस तरह प्रबंधित करें कि आम आदमी पर महंगाई का बोझ कम से कम पड़े। केंद्र ने हाल ही में एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर एक बड़ा कदम उठाया है और अब राज्यों से भी इसी तरह की 'नागरिक-केंद्रित' पहल करने की उम्मीद की जा रही है।

ईंधन और जरूरी वस्तुओं की किल्लत को रोकना पहली प्राथमिकता-पीएम मोदी

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। होर्मुज में तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिससे आने वाले समय में ईंधन की कमी की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री मुख्यमंत्रियों को निर्देश दे रहे हैं कि राज्यों में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त लगाम लगाई जाए। सरकार ने साफ किया है कि भारत के पास पर्याप्त तेल भंडार (करीब 60 दिनों का स्टॉक) मौजूद है, इसलिए जनता को घबराने या 'पैनिक बाइंग' करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने बीते सोमवार को लोकसभा में कहा था कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है, जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर

क्या फिर लगेगा लॉकडाउन...?

लॉकडाउन की अफवाह पूरी तरह गलत-हरदीप...

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईरान युद्ध को लेकर चल रही लॉकडाउन की अफवाहों को पूरी तरह गलत बताया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। पुरी ने कहा कि इस तरह की स्थिति में नागरिकों के लिए सबसे जरूरी है कि वे शांत, जिम्मेदार और एकजुट बने रहें। उन्होंने जोर देकर कहा कि अफवाह फैलाना और पैनिक पैदा करना बिलकुल भी सही नहीं है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, वैश्विक स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, और हम ऊर्जा, सप्लाई चेन और जरूरी

वस्तुओं से जुड़े हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में ईंधन, ऊर्जा और अन्य आवश्यक चीज़ों की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी रहे।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया

ईरान पर इजरायल की भीषण एयरस्ट्राइक, तेहरान में मिसाइल सेंटर तबाह; अरब देशों में 'रेड अलर्ट' जारी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। शुक्रवार को इजरायली वायुसेना ने ईरान पर हमलों की एक नई और भीषण लहर शुरू कर दी है जिससे पूरे क्षेत्र में महायुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। इजरायली सेना ने विशेष रूप से ईरान की राजधानी तेहरान के मध्य में स्थित बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन केंद्रों और अन्य महत्वपूर्ण हथियार निर्माण स्थलों को निशाना बनाया है। इसके साथ ही पश्चिमी ईरान में मिसाइल लॉन्चर्स और हथियारों के भंडारण स्थलों पर भी जोरदार हमले किए गए हैं। इजरायल के इन हमलों के जवाब में ईरान ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। ईरान ने खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन की बौछार कर दी, जिसके चलते बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में युद्ध के सायरन गूंजने लगे। इस जवाबी कार्रवाई में कुवैत के शुवैख पोर्ट को काफी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट्स में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है लेकिन लेबनान की राजधानी बेरूत और इजरायल के कई हिस्सों में हवाई हमलों से

बचाव के लिए लोग बंकरों का सहारा ले रहे हैं। इस युद्ध का सबसे भयावह असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। शेयर बाजारों के लिए यह 'ब्लैक फ्राइडे' साबित हुआ जहां निवेशकों के लगभग 8 लाख करोड़ रुपये डूब गए। तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 107 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है जो युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। चूंकि वैश्विक तेल आपूर्ति का पांचवां हिस्सा होर्मुज स्ट्रेटसे गुजरता है, जिस पर वर्तमान में ईरान का नियंत्रण है ऐसे में दुनिया एक गहरे ऊर्जा संकट की ओर बढ़ रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस संकट को सुलझाने के लिए ईरान को पाकिस्तान के माध्यम से एक 15-सूत्री युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है जिसमें परमाणु कार्यक्रम पर रोक और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना शामिल है। हालांकि, ईरान ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए अपना 5-सूत्री प्रस्ताव रखा है जिसमें नुकसान के मुआवजे और स्ट्रेट पर अपनी संप्रभुता की मांग की गई है।

बड़े युद्ध के लिए भारत कर रहा बड़ी तैयारी

रक्षा उपकरणों के अपडेट के लिए 2.38 लाख करोड़ रूपए मंजूरी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत अपने रक्षा उपकरणों को बड़े पैमाने पर अपडेट कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 27 मार्च, 2026 को हुई बैठक में लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न प्रस्तावों के लिए आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। भारतीय सेना के लिए, वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली, बख्तरबंद भेदी टैंक गोला बारूद, उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले, धनुष तोप प्रणाली और रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली को मंजूरी दी गई। वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली

वास्तविक समय में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगी, जबकि उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले विश्वसनीय और त्रुटिरहित संचार प्रदान करेगी। धनुष तोप प्रणाली सभी भूभागों में लंबी दूरी पर लक्ष्यों को भेदने की तोपखाने की क्षमताओं को बढ़ाएगी, जिससे मारक क्षमता और सटीकता में वृद्धि होगी। रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम (एस-400) सेना की इकाइयों को निगरानी क्षमता प्रदान करेगा, जबकि आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद टैंक-रोधी गोला-बारूद की मारक क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए, मध्यम परिवहन विमान, एस-400 लंबी दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक विमान और एसयू-30 एयरो इंजन एग्रीगेट्स के नवीनीकरण की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

दर्दनाक हादसा, केमिकल टैंक साफ करने गए दो मजदूरों की मौत

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले के बापौली क्षेत्र स्थित जलालपुर रोड पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ एक फैक्ट्री में केमिकल टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों मजदूर टैंक के भीतर जमी गंदगी को साफ करने के लिए नीचे उतरे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टैंक के अंदर पहले से ही अत्यधिक जहरीली गैस भरी हुई थी। जैसे ही मजदूर नीचे पहुंचे, उनका दम घुटने लगा और कुछ ही मिनटों में वे बेहोश हो गए।

ईरान संकट पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

ट्रंन बोले.....पीएम मोदी के साथ मिलकर सुलझा लेंगे हर समस्या

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने मजबूत संबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि वे दोनों मिलकर किसी भी बड़ी समस्या का हल निकाल सकते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव ने पूरी दुनिया को एक बड़े ऊर्जा संकट और आर्थिक अस्थिरता के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप

के बीच फोन पर चर्चा हुई थी। इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर सकारात्मक चर्चा की गई। भारत में अमेरिकी दूतावास द्वारा साझा किए गए संदेश में ट्रंप ने कहा ने कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। पीएम मोदी और मैं ऐसे दो व्यक्ति हैं जो किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। इसके लिए ज्यादा शब्दों की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि भारत का रुख हमेशा से शांति और स्थिरता के पक्ष में रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया के लिए युद्ध का जल्द से जल्द रुकना बेहद जरूरी है। भारत ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी वैश्विक स्थिरता बनाए रखने के लिए पीएम मोदी के साथ लगातार संपर्क में रहने की इच्छा जताई है।

ऊर्जा संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 किया और डीजल पर शून्य

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके कारण उपजे ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दरअसल वित्त मंत्रालय द्वारा 26 मार्च को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपये एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम के बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 13 रुपये थी, वो अब घटकर 3 रुपये रह गई है और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 10 रुपये थी, वो अब शून्य हो गई है। यह कदम पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों से जूझ रही तेल विपणन कंपनियों, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी, को राहत देने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कटौती तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि सरकार ने इस संकट के बावजूद अभी तक पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे हैं, जिससे देश में ईंधन विपणन कंपनियां दबाव में थीं। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने गुरुवार को जारी नोट में कहा कि यदि कच्चे तेल का औसत मूल्य 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक रहता है, तो ईंधन कंपनियों को पेट्रोल पर 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 14 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो सकता है।इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, जो

बाद में घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल रह गईं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का करीब आधा आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संघर्ष बढ़ने के साथ ईरान ने इस जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया, जिससे टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई। नायरा एनर्जी, जो देश के 1,02,075 पेट्रोल पंपों में से 6,967 का संचालन करती है, ने बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। उसके पंपों पर पेट्रोल 100.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.31 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी की संयुक्त ईंधन रिटेल कंपनी जियो-बीपी, जिसके 2,185 आउटलेट हैं, ने भारी नुकसान के बावजूद अभी तक कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की है। सरकारी तेल कंपनियां, जो बाजार के करीब 90 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखती हैं, फिलहाल कीमतों को स्थिर बनाए हुए हैं। पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक टैक्स है। इसे लगाने के पीछे मुख्य उद्देश्य राजस्व इकट्ठा करना है, जिसका उपयोग देश के विकास, बुनियादी ढांचे , रक्षा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाता है।

देश में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कोई कमी नही-सुजाता शर्मा

हम युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान यह बात कही। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत सरकार ने इस स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शर्मा ने कहा, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारत की कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति को प्रभावित किया है।

चैत्र नवरात्रि पर्व के अष्टमी में हुआ पूर्ण आहूति के साथ महा आरती

बालोद। चैत्र नवरात्रि पर्व के अष्टमी तिथि में विभिन्न देवी मंदिरों मे शुभ मुहूर्त पर यज्ञ के साथ पूर्ण आहूति और महाआरती हुआ तदुपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ग्रामीण और नगरीय निकाय क्षेत्रो मे स्थित विभिन्न देवी मंदिरों में विधि विधान के साथ आचार्यों के सानिध्य में माता की पूजा अर्चना किए गए यज्ञ हवन किया गया और अंत में महाआरती के साथ पूर्णाहुति किया गया है आरती के बाद प्रसाद वितरण देर शाम तक होता रहा। नवरात्रि पर्व के अष्टमी के दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं महामाया, शीतला, भद्रकाली, बमलेश्वरी, दुर्गा मंदिर में जाकर मां का दर्शन करने के लिए आने का क्रम प्रारंभ हो गया था जहां पर श्रद्धालुओं के द्वारा महाष्टमी पर माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद दिए। वहीं कई श्रद्धालुओं ने महा अष्टमी पर्व पर अठवाही चढ़ाया गया इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के द्वारा माता के सिंगार के विभिन्न सामग्री सहित श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिए यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इसी बीच विभिन्न शुभ मुहूर्त आचार्य के सानिध्य पर माता की पूजा अर्चना एवं विभिन्न वैदिक मंत्रों के साथ माता की विशेष पूजा किया गया। तदुपरांत हवन हुआ और पूर्णाहुति के बाद महा आरती की गई इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जस गीत समिति मंडली के द्वारा भक्ति भाव बाजे गाजे के साथ जस गीत भी प्रस्तुत किया गया इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रहे।

वही जो जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों सहित नगर के विभिन्न घरों में श्रद्धालुओं के द्वारा व्यक्तिगत रूप जोत जवारा स्थापित किया गया था, जिसका भी विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया गया। जिसका विसर्जन नवमी को सुबह गाजे-बाजे के साथ किया जाएगा।

एमएसपी पर दलहन–तिलहन खरीदी जारी

बेमेतरा। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन एवं तिलहन की खरीदी का कार्य लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से खरीदी की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संचालित किया जा रहा है। उप संचालक मोरध्वज डडसेना ने बताया कि इस अभियान के तहत अरहर (तुअर) एवं सरसों की खरीदी की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि चना एवं मसूर की खरीदी 30 मई 2026 तक की जाएगी। किसानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी उपज बेचने की सलाह दी गई है, ताकि वे शासन द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ प्राप्त कर सकें। जिले में अब तक कुल 534 क्विंटल दलहनङ्कतिलहन की खरीदी की जा चुकी है। वर्तमान में जिले की 9 अधिसूचित सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

डौंडीलोहारा सोलर घोटाला: वर्क ऑर्डर के नाम पर 1.33 करोड़ की ठगी, सीईओ की भूमिका पर उठे सवाल

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा जनपद क्षेत्र में सोलर लाइट पोल लगाने के नाम पर एक बड़ा ठगी का मामला सामने आया है। रायपुर के अधिवक्ता विनीत तिवारी से आरोपियों ने काम दिलाने का झांसा देकर कुल 1 करोड़ 33 लाख 64 हजार रुपये ऐंठ लिए। मामले की शिकायत पर बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना, में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित अधिवक्ता ने पुलिस को बताया कि उनके एक कनिष्ठ साथी के माध्यम से उनकी पहचान भावेश जैन, ऋतुप्रण वैष्णव और संतोष कर्ण से हुई। आरोपियों ने बताया कि उन्हें बालोद जिले के जनपद पंचायत डौंडीलोहारा के अंतर्गत विभिन्न गांवों में सोलर लाइट पोल लगाने का कार्य मिल रहा है, जिसमें भारी मुनाफा है। जब अधिवक्ता ने रुचि दिखाई तो रायपुर में बैठक आयोजित की गई, जहां प्रति पोल 60 हजार रुपये की दर से काम मिलने और किस्तों में भुगतान होने का भरोसा दिलाया गया।

सीईओ से मुलाकात के बाद बढ़ा भरोसा

आरोपियों ने अधिवक्ता को जनपद पंचायत के तत्कालीन सीईओ पंकज देव से भी मिलवाया। बताया गया कि सीईओ ने उनके अनुभव के बारे में जानकारी लेने के बाद 1,000 सोलर पोल का वर्क ऑर्डर देने का आश्वासन दिया। यही मुलाकात पीड़ित के लिए सबसे बड़ा भरोसा बनी, जिसके बाद उन्होंने निवेश का निर्णय लिया।

तीन किस्तों में वसूले गए 1.33 करोड़ रुपये

सीईओ के केबिन से बाहर निकलते ही आरोपियों ने एडवांस की मांग शुरू कर दी। इसके बाद अधिवक्ता ने अलग-अलग तारीखों में रकम दी। 4 अप्रैल 2025 को 10 लाख (हाईटेक बस स्टैंड, बिलासपुर के पास), 5 अप्रैल 2025 को 55 लाख, 15 अप्रैल 2025 को 68 लाख 64 हजार। इस तरह कुल 1 करोड़ 33 लाख 64 हजार आरोपियों ने ले लिए।

79 लाख का सामान खरीदा, काम भी शुरू

आरोपियों के कहने पर अधिवक्ता ने करीब 79.20 लाख में सोलर पोल और लाइट खरीदे, एक तय ठेकेदार के माध्यम से काम भी शुरू कराया। आरोप था कि यदि तय फर्म से खरीदारी नहीं की गई तो बिल पास नहीं होगा, इसलिए पीड़ित ने उसी दिशा में काम किया।

अचानक रुकवाया गया काम, खुली पोल

काम शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद 28 अप्रैल को अचानक काम बंद करा दिया गया। पूछने पर बताया गया कि यह कार्रवाई सीईओ पंकज देव के निर्देश पर हुई है। जब अधिवक्ता ने सीधे सीईओ पंकज देव से संपर्क किया, तो उन्होंने किसी भी प्रकार का वर्क ऑर्डर जारी करने से साफइनकार कर दिया। यहीं से पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ और पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।

चेक बाउंस, आरोपियों ने किया किनारा

रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने कुछ चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण सभी चेक बाउंस हो गए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। इस पूरे मामले में जनपद सीईओ पंकज देव की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। पीड़ित को उनके कार्यालय ले जाया गया। उनके सामने काम का आश्वासन दिया गया। आरोपियों के संपर्क में रहने को कहा गया। हालांकि बाद में सीईओ ने किसी भी प्रकार के वर्क ऑर्डर से इनकार कर दिया।

पुलिस जांच में जुटी

बिलासपुर के सिरगिट्टी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और संभावित मिलीभगत के एंगल से भी जांच की जा रही है। यह मामला दिखाता है कि किस तरह सरकारी काम और अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल कर बड़े स्तर पर ठगी की जा रही है। यदि जांच में और तथ्य सामने आते हैं, तो यह घोटाला और भी बड़ा रूप ले सकता है।

अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। 02 किलो 952 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 33 हजार रूपये के साथ आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 24 मार्च 2026 को साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला एवं साइबर सेल व थाना बेमेतरा पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री में संलिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 33 हजार रूपये से भी अधिक की 02 किलो 952 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। इसी क्रम में 24 मार्च 2026 को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा को जरिये मुखबीर से सुचना मिली कि पवन पाठक निवासी कुसमी अपने घर में अवैध रूप से बिक्री हेतु मादक पदार्थ गांजा रखा है कि सूचना पर, उक्त सूचना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। अधिकारियो के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा सूचना के अधार पर आरोपी पवन कुमार पाठक का घर, ग्राम कुसमी पहुंचकर बिक्री हेतु रखे अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ पकड़ा गया। आरोपी पवन कुमार पाठक पिता स्व. रामाधार पाठक उम्र 55 वर्ष, निवासी कुसमी (बहेरा) जिला बेमेतरा के कब्जे से एक प्लास्टिक के झिल्ली में 23 पैकेट चीप वाली एवं झिल्ली में बिना पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 02 किलो 952 ग्राम कीमती करीबन 33,000/- रूपये को जप्त किया गया है। जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी के विरूद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। इस संपूर्ण कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक भलेन्तिनुस पन्ना, जितेन्द कश्यप, साइबर सेल प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, संतोष धीवर, जयकिशन साहू, रेखन साहू, थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा से आरक्षक सुशील यादव, सौरभ सिंह, शिव सेन, चुरावन पाल एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा। आरोपी पर कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा की सामान्य सभा की हुई बैठक

दल्लीराजहरा । नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा की सामान्य सभा की बैठक 25 मार्च को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आय-व्यय (बजट) प्रस्तुत कर सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, उपाध्यक्ष मनोज दुबे, पार्षद संजीव सिंह, सुरेश जायसवाल, भूपेंद्र श्रीवास, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रस्तावित बजट पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर पालिका की कुल अनुमानित आय 18 करोड़ 7 लाख 40 हजार रुपये निर्धारित की गई है, जबकि कुल अनुमानित व्यय 18 करोड़ 4 लाख 68 हजार रुपये रखा गया है। इस प्रकार कुल 2 लाख 72 हजार रुपये का अधिशेष (लाभ) बजट में दर्शाया गया है। नगर पालिका के बजट में राजस्व एवं पूंजीगत आय के विभिन्न स्रोतों को शामिल करते हुए शहर के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। बजट में स्थापना व्यय, प्रशासनिक खर्च, संचालन एवं रखरखाव, विभिन्न विकास कार्यों तथा योजनाओं पर व्यय का प्रावधान किया गया है। वहीं, कर, शुल्क, अनुदान एवं अन्य स्रोतों से आय प्राप्त होने का अनुमान जताया गया है।बैठक में शहर की मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, अधोसंरचना विकास, साफ-सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने आगामी वर्ष में नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया।नगर पालिका प्रशासन ने पारित बजट को शहर के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे दल्लीराजहरा में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला बालोद की एक महत्वपूर्ण प्रथम परिचात्मक एवं संगठन विस्तार बैठक जिला भाजपा कार्यालय में गौरवशाली उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय कराना और आगामी संगठनात्मक कार्यों की ठोस रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक में मुख्य वक्ता भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख व अध्यक्षता कर रहे ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने सभी 17 मंडलों से आए पदाधिकारियों का परिचय प्राप्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोर्चा का मुख्य लक्ष्य केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। श्याम जायसवाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी व पूरे जिले में पिछड़ा वर्ग मोर्चा को और अधिक सशक्त बनाने का निवेदन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरते हुए कहा, पिछड़ा वर्ग समाज भाजपा की शक्ति है। हमें हर बूथ पर अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी ताकि संगठन और अधिक सशक्त हो सके। जिला महामंत्री सौरभ लुनिया व राकेश यादव (छोटू) ने संगठनात्मक अनुशासन पर जोर देते हुए कहा, परिचय के साथ-साथ हमारी जिम्मेदारी भी शुरू होती है। हमें समन्वय के साथ काम करते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ घर-घर पहुँचाना है। बैठक के दूसरे चरण में, देश के अमर सपूतों शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस (शहीद दिवस) के अवसर पर एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अमर शहीदों के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, वह इन्हीं वीरों की शहादत का परिणाम है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे शहीदों के बताए देशप्रेम के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित करेंगे। इस बैठक में जिला अध्यक्ष चेमन देसमुख, जिला महामंत्री सौरभ लूनिया व राकेश यादव पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल सूचना के अधिकार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजेश दसोड़े, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र देशमुख, जिला प्रवक्ता जितेंद्र साहू, मीडिया प्रभारी कमल पनपलिया, ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री जनार्दन सिन्हा एवं संतोष कौशिक, जिला उपाध्यक्ष राकेश देवांगन, गोविंदनाथ साहू, भुनेश्वर साहसी, ललिता साहू, जिला मीडिया प्रभारी अंकित जायसवाल, जिला मंत्री टिकेंद्र साहू, मुरली साहू , शिव देवांगन, केशव धनकर कोषाध्यक्ष पोषण देवांगन, सह कोषाध्यक्ष रखुवीर साहू, सह मीडिया प्रभारी रामदेव रजक, मन की बात सह प्रभारी राम स्वरूप सिंहा सहित पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं जिले के सभी 17 मंडलों के अध्यक्ष विशेष रूप से शामिल हुए।

जनरल स्टोर्स दुकान से चोरी के नगदी सहित एक आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। जनरल स्टोर्स दुकान से चोरी के नगदी सहित एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रार्थी प्रभात अग्रवाल उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड नं 15 थान खम्हरिया, थाना थान खम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरा प्रभात किराना स्टोर के नाम से जनरल स्टोर का दुकान है कि दिनांक 22 मार्च 2026 के रात्रि 08 बजे दुकान को बंद करके दुकानदारी के पैसा को गल्ला में रखकर घर के सामनें और पिछे के दरवाजा का ताला बंद कर रात्रि में परिवार सहित सोये थे कि 23 मार्च 2026 के सुबह 08 बजे दुकान खोलनें गया तो दुकान के गल्ला में रखे चिल्हर करीब 10-12 हजार रूपया नहीं था जिसे दिनांक 22 मार्च 2026 के रात्रि 08 बजे से 23 मार्च 2026 के सुबह 08 बजे के मध्य कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 305 (ए),331(4) BNS पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान संदेही रोहित मंडावी निवासी वार्ड नं. 09 डबरापारा थानखम्हरिया को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर उक्त चोरी की घटना का अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ में चोरी किये गये करीबन 10 से 12 हजार रूपए को खाने-पिने में खर्च करना एवं 1,500/- रूपए को छुपाकर रखना। आरोपी के कब्जे से नगदी रकम 1,500/- रूपये को जप्त कर बरामद किया गया। प्रकरण में आरोपी रोहित मंडावी पिता बिसौहा मंडावी उम्र 29 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 09 डबरापारा थानखम्हरिया,थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा को आज 25 मार्च 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रधान आरक्षक अजय कुमार लहरे, आरक्षक बलदेव निषाद, मुकेश चंद्रवंशी, अशरफी खान, धर्मेन्द्र साहू सहित थाना खम्हरिया के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

टीले पर विराजमान आस्था और इतिहास का संगम: बोड़ला का श्री राम-जानकी मंदिर बना विरासत का जीवंत प्रतीक

कवर्धा। कबीरधाम जिले के ब्लॉक मुख्यालय बोड़ला में स्थित श्री राम-जानकी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इतिहास, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय संगम है। प्राचीन जबलपुरङ्कमंडलाङ्करायपुर मार्ग पर बसे इस कस्बाई नगर का महत्व रियासत काल से रहा है। प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर से लगभग 10 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम तथा पुरातात्विक स्थल पचराही से करीब 25 किलोमीटर उत्तर में स्थित बोड़ला का यह मंदिर दूर से ही अपनी भव्यता का आभास कराता है। बस्ती के मध्य ऊँचे टीले पर निर्मित यह प्रस्तर निर्मित मंदिर लगभग पाँच फीट ऊँचे चबूतरे पर स्थित है। इसकी स्थापत्य शैली क्षेत्र के अन्य प्रमुख मंदिरों–राधाकृष्ण मंदिर कवर्धा, राम मंदिर लोहारा तथा शिव मंदिर पांडातराई–से साम्यता रखती है। चूंकि कवर्धा का राधाकृष्ण मंदिर वर्ष 1802 ई. में पूर्ण हुआ माना जाता है, इसलिए इतिहासकारों का अनुमान है कि बोड़ला का यह मंदिर भी उसी कालखंड में निर्मित हुआ होगा। मंदिर के निर्माण को लेकर कोई शिलालेख या आधिकारिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। मंदिर के पुजारी श्री हरि प्रसाद पाठक भी निर्माता के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाते। हालांकि शोधकर्ता चौलेश्वर चंद्राकार ने अपने पीएचडी शोध 'कवर्धा राज एवं पंडरिया जमींदारी का ऐतिहासिक अध्ययन' में कवर्धा रियासत के राजा उजियार सिंह (1801ङ्क1849 ई.) द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों की सूची में 'बोड़ला मंदिर' का उल्लेख किया है। इससे यह संभावना प्रबल होती है कि वर्तमान राम-जानकी मंदिर का निर्माण भी उनके काल में हुआ हो।

इतिहास की एक रोचक कड़ी यह भी है कि 1925 में प्रकाशित धानूलाल श्रीवास्तव कृत 'अष्ट राज्य अंभोज' में बोड़ला में 'श्री कृष्ण जी का सुंदर मंदिर' होने का उल्लेख मिलता है। वर्तमान में बोड़ला में अलग से कोई कृष्ण मंदिर नहीं है। मंदिर पुजारी के अनुसार पूर्व में इस स्थल को राधा-कृष्ण मंदिर भी कहा जाता था। संभव है कि किसी समय गर्भगृह में कृष्ण की प्रतिमा स्थापित रही हो या नामकरण की परंपरा समय के साथ परिवर्तित हुई हो। स्थापत्य की दृष्टि से मंदिर अत्यंत आकर्षक है। इसमें गर्भगृह, अंतराल, मंडप और अर्धमंडप की स्पष्ट संरचना दिखाई देती है। पूर्वाभिमुख मंदिर के अर्धमंडप तक पहुँचने के लिए पाँच सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। चार स्तंभों पर आधारित यह भाग छोटा किंतु सुसज्जित है। प्रवेश द्वार पर स्थानक विष्णु, राम और अन्य मूर्तियों का अंकन है, वहीं ललाट बिंब में गणेश की आकृति उकेरी गई है। मंडप के अष्टकोणीय स्तंभ सादगी में सौंदर्य का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। एक ओर हनुमान और दूसरी ओर गणेश की प्रतिमाएँ स्थापित हैं। गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर विष्णु के दशावतार, केशी वध तथा अन्य पौराणिक प्रसंगों का अंकन है। गर्भगृह में श्रीराम, सीता, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की प्रतिमाएँ विराजमान हैं। द्वार चौखट पर ज्यामितीय अलंकरण, हाथी और गाय की आकृतियाँ तथा मुखाकृति शिल्पकला की उत्कृष्टता दर्शाती हैं।मंदिर के बाहरी भाग में जंघा और शिखर पर रथिकाओं के उभार, लघु मानव व पशु आकृतियाँ तथा छोटे मंदिरनुमा उभार इसकी कलात्मक विशेषता हैं। मंडप के अग्रभाग पर अंकित मिथुन मूर्तियाँ उस परंपरा की प्रतीक हैं, जो मध्यकालीन मंदिर स्थापत्य में व्यापक रूप से प्रचलित थी। उन्नीसवीं सदी तक इस परंपरा का सीमित रूप में निर्वाह होता रहा। मुख्य मंदिर के सामने स्थित गरुण मंदिर इसकी विशेषता को और बढ़ाता है। गर्भगृह में गरुण की प्रतिमा तथा बाहरी दीवारों पर लक्ष्मी-नारायण का अंकन विष्णु परंपरा की पुष्टि करता है। उल्लेखनीय है कि लोहारा के राम मंदिर के सामने भी इसी प्रकार का लघु मंदिर विद्यमान है। मंदिर चारों ओर से प्राचीन प्राकार अवशेषों से घिरा है। प्रयुक्त ईंटें पुराने काल की प्रतीत होती हैं, जिससे अनुमान होता है कि वर्तमान संरचना से पूर्व भी यहाँ कोई निर्माण रहा होगा। पूर्व और पश्चिम दिशा से सीढ़ियों द्वारा टीले पर पहुँचा जा सकता है। बोड़ला का श्री राम-जानकी मंदिर आस्था के साथ-साथ ऐतिहासिक चेतना का भी केंद्र बन चुका है। यह मंदिर न केवल क्षेत्र की धार्मिक पहचान है, बल्कि कबीरधाम की समृद्ध स्थापत्य परंपरा का जीवंत दस्तावेज भी है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अफीम खेती पर सख्त चेतावनी, नक्सली सरेंडर पर सकारात्मक संकेत–सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कई अहम मुद्दों पर अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया देते हुए राज्य में अफीम की अवैध खेती पर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कहीं भी इस तरह की खेती को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे कितने ही प्रभावशाली क्यों न हों। मुख्यमंत्री ने बताया कि दुर्ग जिले में मामला सामने आने के बाद सभी कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिए गए थे। कई स्थानों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई कर अवैध खेती को चिन्हित भी किया गया है। साथ ही, कलेक्टरों की बैठक लेकर उनसे रिपोर्ट मांगी गई है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है। विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार की विदेश नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति बेहतर हुई है और ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता भी आसान हुई है। नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का लक्ष्य देश से नक्सलवाद का पूर्ण खात्मा है। उन्होंने बताया कि 31 मार्च की समय सीमा के बीच लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और पापाराव जैसे बड़े नक्सली का सरेंडर इस दिशा में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने इसे राज्य और देश के लिए शुभ संकेत बताते हुए कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

नगर निगम का बजट 30 को होगा पेश 1600 करोड़ के आसपास होगा बजट

रायपुर। नगर निगम के निर्वाचित जनप्रतिनिधि सभा मेयर द्वारा सामान्य सभा की बैठक में 30 मार्च को वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। यह बजट 1600 करोड़ के आसपास का होगा। नगर निगम के बजट की तैयारी जोरो पर चल रही है, जिसमें सभी पार्षदों के सुझाव पर प्रत्येक वार्ड में रोड नाली निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान को भी इसमें जोड़ा गया है। भागीरथी जल योजना जेएनआरयूएम, गरीब अप समन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। ज्ञात रहे नगर निगम द्वारा बिजली ऑफिस बुढ़ापारा से लेकर पचपेड़ी नाका तक गौरवपथ नाए जाने की घोषणा की है। हटकेश्वर मंदिर में एक कॉरीडोर बनाया जाएगा। एमआईसी में पारित प्रस्ताव को इसमें शामिल किया जाएगा। गर निगम निर्वाचित सभा के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि नगर निगम द्वारा द्वारा जो बजट 30 मार्च को पेश किया जा रहा है, उसमें जनता के हितों के लिए कोई महत्वपूर्ण प्रावधान नहीं किया है।

होटल संचालक पर एफआईआर दर्ज, 17 सिलेंडर जब्त किया

रायपुर। कलेक्टर के कड़े निर्देशों के बाद जिले में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में आज खाद्य विभाग की टीम ने धमतरी नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में औचक दबिश दी। इस जांच अभियान का नेतृत्व सहायक खाद्य अधिकारी भेलेन्द्र कुमार ध्रुव, निलेश चन्द्राकर और खाद्य निरीक्षक वैभव कोरटिया ने किया। जांच के दौरान शांति कॉलोनी स्थित 'मालिक केटर्स' में बड़ी अनियमितता उजागर हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, इस प्रतिष्ठान के पास 40 नग व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का कनेक्शन दर्ज है। हालांकि, मौके पर जांच करने पर केवल 23 खाली व्यावसायिक सिलेंडर ही पाए गए। शेष 17 सिलेंडरों के बारे में जब संचालक महेश कुमार रंगलानी से पूछताछ की गई, तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिलेंडरों के इस बड़े अंतर को देखते हुए प्रशासन ने व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की आशंका जताई है। इसके चलते संचालक के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 की कंडिका 03 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर 23 नग इण्डेन व्यावसायिक सिलेंडर जप्त कर लिए गए हैं। गौरतलब है कि जिले में अब तक घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ कुल 34 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जा चुकी है, जिसके तहत अब तक 73 सिलेंडर जप्त किए गए हैं।

रौंदने के लिए हाथी ने दौड़ाया,महिला घायल

रायपुर। जिले में हाथियों का दल रात के समय खेतों तक पहुंचने लगा है। खेतों में लगी धान की फसल को भारी नुकसान हो रहा है। धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों ने 8 किसानों की फसल रौंदकर खराब कर दिया। वहीं जिले के जंगलों में 101 हाथी विचरण कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ वन मंडल में 98 हाथियों का दल अलग-अलग जंगलों में विचरण कर रहा है। सोमवार की रात को हाथियों का दल ग्रामीणों के खेतों में घुस गया और 8 किसानों की धान की फसल को नुकसान हुआ।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वास केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात

सीआरपीएफ के जवानों का उपमुख्यमंत्री शर्मा ने किया प्रोत्साहन

- पुनर्वासित युवाओं के प्रशिक्षण का किया अवलोकन, वेलकम एवं इलेक्ट्रिकल टूल किट का किया वितरण

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल टूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात वे पुनर्वास केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं। श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी पुनर्वासित युवाओं को

ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाए तथा केंद्र से बाहर जाने से पूर्व उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाना भी सुनिश्चित किए जाएं। उपमुख्यमंत्री उनसे अपील की कि यदि उनके परिजन या पहचान के लोग जेल में निरुद्ध हैं तो वे उनसे मिल सकते हैं या वे पुनर्वास केंद्र में आकर साथियों से मुलाकात कर सकते हैं और यदि वे जेल से पुनर्वास करना चाहें तो भी शासन उनकी हर संभव मदद कर जेल से पुर्नवास कराने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केंद्र में कुल 107 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 60 बीजापुर एवं 47 दंतेवाड़ा जिले के हैं। यहां इलेक्ट्रिकल, वेल्डिंग, प्लंबिंग, सिलाई और ड्राइविंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 7 युवाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है तथा 75 युवाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा बस्तर से कभी अति संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले मारडुम घाटी मार्ग से होते हुए चित्रकूट, लोहंडीगुड़ा और बारसूर के रास्ते दंतेवाड़ा पहुंचे थे। इसके माध्यम से उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि कभी दुर्गम माने जाने वाले मार्ग भी अब सुगम हो गए हैं। अब लोग बिना किसी भय के रात हो या दिन निर्भय होकर इन पर सफर कर सकते हैं। उन्होंने दंतेवाड़ा स्थित सीआरपीएफ बटालियन कैंप पहुंच, जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारे सैन्य बलों के शौर्य का ही परिणाम है कि आज बस्तर संभाग में अब तक लोगों की नजरों से छुपे हुए नए नए पर्यटन केंद्रों में पहुंच कर लोग बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं और स्थानीय लोगों को इससे रोजगार भी प्राप्त हो रहा है।

माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ

- चंद्रखुरी धाम में श्रद्धा और संस्कृति की झलक

रायपुर। संवाददाता

ग्राम चंद्रखुरी जिला रायपुर स्थित पावन माता कौशल्या धाम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य और गरिमामय शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव के प्रथम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। महोत्सव के पहले दिन दोपहर 3 बजे मानस मंडलियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जहां तीन प्रमुख मंडलियों ने अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सायं 6 बजे अतिथियों ने माता कौशल्या के दर्शन, पूजन एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा इसके पश्चात विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं राजगीत के साथ प्रारंभ हुआ, मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब तथा अध्यक्षता सुश्री मोना सेन ने की। संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विभागीय गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, वहीं अतिथियों ने अपने संबोधन में माता कौशल्या की महिमा, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत तथा लोक परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। रात्रि 8 बजे 'रंग छत्तीसा' कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती पूनम विराट तिवारी एवं छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और देर रात तक तालियों की गूंज बनी रही। चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या धाम देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह स्थान भगवान श्रीराम की माता कौशल्या का जन्मस्थान माना जाता है, जिसके कारण इसकी धार्मिक महत्ता अत्यंत बढ़ जाती है।

पीटीआई शिक्षक पर महिला से अभद्रता और अश्लील प्रस्ताव का आरोप, मामला दर्ज

रायपुर। जिले के डौंडी स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ पीटीआई शिक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर पर एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार और अश्लील प्रस्ताव देने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर डौंडी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, महिला अपने घर के पास से गुजर रही थी, तभी आरोपी शिक्षक ने उसे 500 रुपये देकर संबंध बनाने का प्रस्ताव रखा। इस दौरान उसने कथित तौर पर महिला से आपत्तिजनक और अश्लील बातें भी कीं। घटना से आहत महिला तुरंत थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(1)(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

गैस आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर होगा वितरण

खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक....

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफ्लि की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की राज्य कार्यकारिणी बैठक संपन्न

- संगठन के विकास, प्रशिक्षण और आगामी गतिविधियों पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर। संवाददाता

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की राज्य कार्यकारिणी की अहम बैठक राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा की अध्यक्षता में आज राज्य मुख्यालय, रायपुर में आयोजित हुई। इस बैठक में संगठन के विकास, प्रशिक्षण तथा आने वाले कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक के पूर्व स्काउटिंग परंपरा के अनुसार सभी पदाधिकारियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया तथा प्रार्थना के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। अपने स्वागत उद्बोधन में राज्य मुख्य आयुक्त श्री खालसा ने कहा कि स्काउट-गाइड को आगे बढ़ाने में सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित वंदे मातरम कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 5 हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया, यह हमारे लिए गर्व की बात है। साथ ही छत्तीसगढ़ को प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी आयोजित करने का अवसर मिला, जिसमें लगभग 12 हजार रोवर-रेंजर ने भाग लिया। बैठक के प्रारंभ में पूर्व राज्य कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही का पुनरीक्षण कर उसे अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित वार्षिक युवा एवं एडल्ट कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा करते हुए स्वास्थ्य जागरूकता अभियान प्रारंभ करने, वृक्षों को राखी बांधने की पहल, स्वामी विवेकानंद जयंती पर संभाग स्तरीय कार्यक्रम, सैनिकों के सम्मान में राखी भेजने तथा कौशल विकास कार्यक्रम जैसे आयोजनों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के वार्षिक बजट को भी स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यकारिणी में प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं विस्तार पर विशेष जोर देते हुए बेसिक कमिश्नर कोर्स शिमला अथवा दार्जिलिंग में आयोजित करने, एडल्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा राज्य प्रशिक्षण केंद्र झांकी अभनपुर एवं झोपन बलौदाबाजार के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त राज्य पुरस्कार शिविर एवं राज्यपाल अलंकरण समारोह के सफल आयोजन की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला दैनिक वेतन सेवा भी पेंशन में जुड़ेगी, सरकार की अपील खारिज

रायपुर। स्थित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पेंशन से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में राज्य सरकार को राहत नहीं देते हुए उसकी रिट अपील खारिज कर दी है। अदालत ने साफकहा है कि यदि कोई कर्मचारी पहले दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत रहा हो और बाद में उसकी सेवा नियमित हो गई हो, तो उसकी पूर्व सेवा अवधि को भी पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों में शामिल किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने यह निर्णय सुनाया। मामला लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बेमेतरा के उन कर्मचारियों से जुड़ा था, जो 31 दिसंबर 1988 से पहले दैनिक वेतन पर काम कर रहे थे और वर्ष 2008 में नियमित किए गए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें केवल नियमित सेवा अवधि के आधार पर पेंशन दी गई थी, जिसे कर्मचारियों ने अदालत में चुनौती दी। इससे पहले एकलपीठ ने भी अपने फैसले में कहा था कि नियमितीकरण से पहले की सेवा को पेंशन में जोड़ा जाए और संबंधित अभिलेखों का सत्यापन कर लाभ प्रदान किया जाए। राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ अपील करते हुए तर्क दिया था कि दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी पेंशन के पात्र नहीं होते और नियम केवल स्थायी कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

तालाब के ऊपर मुर्गी पालन कर खेती को और अधिक लाभकारी बनाया

- अपनी मेहनत और नवाचार से खेती को नई पहचान दे रहा - युवा किसान अंकित
- बहुफसली लेकर बने उन्नत किसान अंकित लकड़ा

रायपुर/ संवाददाता

खेत को आय का बहुआयामी और मजबूत माध्यम बनाने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों, संबद्ध व्यवसायों और विविधीकरण को अपनाना अनिवार्य है। मुर्गी पालन और मछली पालन को एक साथ अपनाना, जिसे एकीकृत मछली-सह-मुर्गी पालन कहा जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय में भारी बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता का एक बेहतरीन जरिया है। यह प्रणाली कम लागत में दोहरा मुनाफा प्रदान करती है। छत्तीसगढ के जशपुर जिले के ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित लकड़ा अपनी मेहनत और नवाचार से खेती को नई पहचान दे रहे हैं। पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर उन्होंने अपने खेत को बहुआयामी आय का मजबूत माध्यम बना दिया है। आइए जानते हैं उनकी प्रेरणादायक कहानी। ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित ने बताया कि पहले वे बरसात में सिर्फ धान की खेती करते थे। इसे पश्चात् उन्होंने मत्स्य विभाग से जानकारी प्राप्त कर अपने खेत में तालाब बनाए। अब वे गर्मी में भी खेती करने लगे और आम के पेड़ लागाए उसी तालाब के पानी से गर्मी में पेड़ों को पानी देते हैं। तालाब के पानी का उपयोग करके बागवानी भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2 तालाब के उपर शेड बनाकर मुर्गी पालन और मछली पालन करते हैं। मुर्गियों का अपशष्टि मछलियों के लिए आहार का कार्य करता है। शेड का कैपेसिटी 1000 से 1200 है। तालाब के मेड में आम का पेड़ लगाए हैं। आम का पेड़ या अन्य पेड़ मिट्टी को एकजुट रखता है मिट्टी को काटने नहीं देता। इसके साथ ही आम का पेड़, लीची का पेड़ अतिरिक्त आय का माध्यम बन जाता है। युवा किसान ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य योजना अंतर्गत पॉन्ड लाइनर प्राप्त हुआ है। मछली विभाग से 8 लाख रूपए की राशि अनुदान में मिला इसके साथ पॉलीथिन, बोर, मोटर और फीड प्राप्त हुआ है। इस मॉडल को अपनाने वाले किसानों का कहना है कि यह न सिर्फ आमदनी बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। मछली पालन करने वाले नंदकिशोर पटेल बताते हैं कि पहले वे केवल तालाब में मछली पालन करते थे, लेकिन अब उन्होंने इस मॉडल से मुर्गी पालन भी शुरू किया है। उनका कहना है कि शुरुआत में थोड़ा इन्वेस्टमेंट जरूर लगता है, लेकिन जब सिस्टम चलने लगता है, तो मेहनत का फल बहुत अच्छा मिलता है। एक बार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो जाए, फिर हर महीने स्थिर इनकम होने लगती है। अंकित लकड़ा की यह पहला बताती है की नई सोच और योजनाओं के सही उपयोग से खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है ऐसे ही नवाचार और सफल किसानों से मिलने के लिए कृषि क्रांति एक्सप्रेस 2.0 में जरूर आए।

कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन

कर्नाटक के तैराक मणिकांता ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की,छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत ने जीता दूसरा पदक

- ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में एक और स्वर्ण पदक जीता
- असम की मोनिखा सोनोवाल और मिजोरम के इसाक ने चोट के बावजूद वेटलिफ्टिंग में जीते स्वर्ण पदक

रायपुर/ संवाददाता

कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अपना तीसरा लगातार स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। यह उपलब्धियां उन्होंने गुरुवार को यहां खेले जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन हासिल कीं। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशी की बात रही, जहां स्थानीय तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में दूसरा स्थान हासिल कर अपना दूसरा रजत पदक जीता। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले 2:25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (2:34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2:36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अंजलि मुंडा ने 2:53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2:59.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3:06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

संपादकीय

कंपनियों और निजी अस्पतालों के गठजोड़ में फंसता आम आदमी का भरोसा

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम लोगों की कमर तोड़ रहा है। यह विडंबना ही है कि जिस भरोसे की वजह से कोई व्यक्ति बीमारी का इलाज कराने किसी निजी अस्पताल में जाता है, वह उसके लिए एक नई परेशानी की वजह बन जाता है। भविष्य में इलाज का खर्च उठाने की राह आसान बनाने का भरोसा देकर बीमा कंपनियां लोगों को अपनी योजनाओं का हिस्सा बनने के लिए तो तैयार कर लेती हैं, लेकिन जब इलाज पर हुए खर्च की भरपाई करने का वक्त आता है, तो उसमें कई तरह की अड़चन पेश कर दी जाती है या कई बार मना भी कर दिया जाता है। निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच मिलीभगत के सहारे चल रही इस गड़बड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, लेकिन अब तक इस तरह के घोटालों पर रोक को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस सक्रियता नहीं देखी गई है। हाल ही में यह मसला संसद में उठाया गया, जिसमें सरकार से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम लोगों की कमर तोड़ रहा है। अक्सर ऐसे मामले देखे जाते हैं, जिसमें अस्पताल में मरीज की मौत हो जाती है और नियमों का हवाला देकर या अलग-अलग कारण बता कर बीमा कंपनी दावे को खारिज कर देती है। इलाज के दौरान अस्पताल में किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो कई बार खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल शव देने तक से इनकार कर देता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में मरीज के परिजन किस तकलीफ से गुजरते होंगे। सवाल है कि बीमा कराने के लिए लोगों को आकर्षित करने के कारोबार को इजाजत देने वाले संबंधित सरकारी महकमे इस तरह की मनमानियों के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं। इसी मसले पर एक अन्य राज्यसभा सांसद संजय यादव ने कहा कि कंपनियां हर साल करोड़ों रुपए का प्रीमियम तो इकट्ठा करती हैं, लेकिन जब इलाज के बाद मरीज या उसके परिजन खर्च के भुगतान के लिए संपर्क करते हैं, तो वे अलग-अलग तकनीकी कारणों का हवाला देकर रकम का एक बड़ा हिस्सा काट लेती हैं। असल में कंपनियां जब लोगों को बीमा कराने का भरोसा दे रही होती हैं, तब नियम-शर्तों को बताने के मामले में स्पष्टता और पारदर्शिता नहीं बरती जाती।

राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई। चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया। लेकिन भारतीयों की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं।

आखिर नफरत भरे भाषण पर कब सजग और सक्रिय होंगे हमारे हुक्मरान? यक्ष प्रश्न

(कमलेश पांडे)

राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया।

नफरत भरे भाषण, किसी भी सभ्य समाज के लिए वैचारिक कैंसर और सामाजिक एड्स के जैसा जानलेवा है, लेकिन दुनियावी तर्ज पर भारतीय लोकतंत्र में भी यह एक बुनियादी राजनीतिक-सामाजिक फैशन बनता प्रतीत हो रहा है। कोढ़ में खाज यह कि बहुमत की भूखी संसद और उसके इशारे पर कुछ कुछ फैसले लेने के आदी बन चुके सुप्रीम कोर्ट ने आजादी के 8वें दशक में भी विषाक्त बयानबाजियों के खिलाफ कोई कड़ा राष्ट्रवादी स्टैंड नहीं लिया ताकि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर अनवरत रूप से जारी साम्राज्यवादी वैचारिक हमले की धार कुंद की जा सके!

ऐसा इसलिए कि इनकी भी अपनी विवशता है! चूंकि पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले अधिकार संपन्न लोग ब्रितानी नौकरशाही और राजशाही के इशारे पर बने भारतीय संविधान को मानने को अभिशप्त हैं और अपनी व्यवहारिक और मौलिक सोच को ताखे पर रख चुके हैं, इसलिए हर जनतांत्रिक बीमारी लाइलाज हो चुकी है और भारत माता अपनी ही संतानों को निरंतर मुखाग्नि देते देते थककर बूढ़ी हो चली है।

राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई।

चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया। लेकिन भारतीयों की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं, लेकिन हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट प्रबुद्ध और सुसंस्कृत भारत के निर्माण की जगह यूरोपीय और अरबी कलह को भारत पर थोपने की मूर्खता प्रदर्शित कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

यह कितनी मूर्खतापूर्ण बात है कि आजाद भारत में गरीबी और अपराध को जातीय चश्मे से देखा जाता है, सवर्ण यानी सामान्य जाती विरोधी कानून बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट भी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का जिक्र करते हुए वर्तमान और भविष्य के सवर्ण विरोधी सामाजिक अन्याय किये जाने के निकृष्ट जनतांत्रिक विचारों पर मोहर लगाता है। खासकर भारतीय संविधान से जुड़े संवैधानिक अनुच्छेद (14, 15, 19, 21, एससी/एसटी एक्ट की तर्क संभाव्यता, आदि) को भी विस्तार से देखने और इनपर पुनर्विचार की जरूरत है।

अन्यथा, देर सबेर सामान्य जातियों के बीच भी संसद और सुप्रीम कोर्ट का अप्रासंगिक होना तय है। यक्ष प्रश्न है कि आखिर बहुमत की राजनीति के लिए समाज को कब तक झुलसाया जाएगा, क्योंकि जब सहिष्णुता के विचार बदलेंगे तो व्यवस्था बदलते देर नहीं लगेगी! चूंकि प्रभावित पक्षों के लिए भारतीय संविधान का पक्षपाती दृष्टिकोण एक ऐसा मटमैला पन्ना है, जो जाति, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि में वैधानिक विभेद रचता है और उसे सामान्य जातियों के खिलाफ ऐतिहासिक सामाजिक अत्याचार का प्रतिफल करार देता है।

हैरत की बात है कि संविधान जिन लोगों को कानूनी संरक्षण देता है, उनके व्यक्तिगत और सामाजिक उत्पातों पर से भी प्रशासन अपनी आंखें फेर लेता है, यह जमीनी हकीकत है, इसलिए कतिपय सवाल लाजिमी है।

बहरहाल, नफरती भाषण सम्बन्धी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड व्यावहारिक है, और संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो काफी संतुलित और सही माना जा सकता है, लेकिन यह बिना विवाद के नहीं है– विशेषकर जातिगत भावनाओं के मामले में।

सवाल है कि नफरत भरे भाषण सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या था? तो जवाब होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण को अलग से जाति आधारित दंडनीय अपराध घोषित करने की भी याचिका पर विशेष निर्णय देने से इनकार कर दिया और याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि केवल ब्राह्मण ही क्यों, किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण स्वीकार्य नहीं है, यानी एक विशेष जाति को अलग सा हेट स्पीच खंड के तहत नहीं रखा जाना चाहिए। लिहाजा, नेताओं को भी इसी भावना से सख्त कानून बनाना चाहिए।

सवाल है कि आखिर क्यों सुप्रीम कोर्ट का यह स्टैंड तर्कसंगत है? तो जवाब होगा कि भारतीय संविधान और फिलहाल लागू कानून (जैसे दंड संहिता की धाराएँ, आईटी एक्ट, निर्वाचन कानून, आदि) में दंगे, भड़काऊ भाषण और जाति आधारित उत्पीड़न के खिलाफ पहले से ही दंड का प्रावधान है; लिहाजा, कोर्ट ने इन्हीं तंत्रों को इस्तेमाल करने पर ज़ोर दिया, बजाय एक नई जाति विशेष श्रेणी बनाने के।

मसलन, न्यायपालिका का यह तर्क रहा कि अगर हेट स्पीच को रोकना है तो वह समुदाय विशेष के लिए नहीं, बल्कि सभी समुदायों के लिए एक समान और संवैधानिक ढांचे में होना चाहिए, अन्यथा यह न्याय की बराबरी के सिद्धांत के खिलाफ जाएगा। जहां तक आपत्तियों और चिंताओं की बात है तो ब्राह्मण समुदाय के कुछ तबकों का तर्क है कि आज की राजनीतिक और जन चेतना में ब्राह्मणों के खिलाफ घृणा का एक विशेष और संगठित स्तर बना है, इसलिए उसे अलग से चिह्नित कर रोकने की जरूरत है; जबकि कोर्ट का रुख उनके अनुभव को सामान्य मानकर छोटा करने जैसा लगता है।

इसके उलट, दूसरे तरफ से यह डर भी जताया जाता है कि अगर एक जाति को विशेष तौर पर नफरती भाषण के खिलाफ संरक्षित श्रेणी में रखा जाए, तो इसे राजनीतिक रूप से हथियार बनाया जा सकता है और अन्य पिछड़े या अल्पसंख्यक समुदायों के हेट स्पीच विरोधी बचाव को नरम करने का तर्क भी बन सकता है।

संक्षेप में यदि इस स्टैंड पर मूल्यांकन किया जाए तो सैद्धांतिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड प्राकृतिक न्याय, समानता और घुमावदार राजनीतिक जातिगत हथियारबंदी से बचाव के लिए उचित और संयमित लगता है। हालांकि, व्यावहारिक तौर पर यह यह भी दिखाता है कि नफरती भाषण को रोकना सिर्फ एक जाति की शिकायत से उठकर इस तरह के घृणा विरोधी कानूनों की दृढ़ और निष्पक्ष अमलीकरण तक जाना चाहिए, चाहे निशाना कौन सा समुदाय हो।

कहना न होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने अलग अलग समुदायों (खासकर धार्मिक और जातीय) के खिलाफ हेट स्पीच पर लगातार एक ही मूल सिद्धांत बनाए रखा है–धर्म/जाति के आधार पर घृणा फैलाने वाला भाषण अस्वीकार्य है, लेकिन इसका नियंत्रण समान रूप से लागू कानूनों से होना चाहिए, न कि हर समुदाय के लिए अलग अलग राजनीतिक कानूनी व्यवस्था बनाकर।

मुसलमान समुदाय के खिलाफ हेट स्पीच- 21 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार और कई राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें, जो विशेष रूप से मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरा भाषण देते हैं या भड़काऊ रैलियाँ करते हैं। इस आदेश का मुख्य तर्क था कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरती भाषण सम्प्रदायिक तनाव और हिंसा को बढ़ाता है, इसलिए पुलिस और प्रशासन को ऐसे मामलों में तुरंत एफ़आईआर दर्ज करना और जरूरी धाराएँ लगाना चाहिए, उन्हें आम सियासी भाषण की छवि में नहीं ढकना चाहिए।

वैचारिक क्रान्ति के बिना शान्ति की पुनर्स्थापना असम्भव

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

विश्व में चल रहे वर्तमान संघर्ष के लिए भविष्यवक्ताओं ने बहुत पहले ही सचेत कर दिया था। परिस्थितियों से लेकर परिणामों तक की विवेचनायें निरंतर सामने आती रहीं। इन भविष्यवाणियों के अनेक बिन्दु अतीत में प्रमाणित भी होते रहे परन्तु तब आधुनिकता की चमक में डूबे लोगों ने अंधविश्वास कह कर इसका मुखौल ही उड़ाया है। वर्तमान समय में जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण अहंकार भी चरम सीमा पर पहुंच गया है। शासक बनने की होड ने युद्ध के हालात निर्मित कर दिये हैं। भारतीय आदिग्रन्थों सहित विदेश के अनेक भविष्यवक्ताओं ने इस युद्ध और उसके विस्तार को लेकर क्रमबद्ध विस्तार की घोषणायें पहले से ही हैं। भारत की भूमिका को भी रेखांकित किया गया है। युद्ध का विस्तार केवल ईरान-अमेरिका-इजरायल, रूस-यूक्रेन, पाकिस्तान-अफगानस्तान जैसी स्थितियों तक ही सीमित नहीं है बल्कि चीन-ताइवान, भारत-पाकिस्तान, भारत-बंगलादेश सहित खाडी के अनेक देश युद्ध के मुहाने पर खडे है। इन तनावों का युद्ध में परिवर्तित होने का समय की भी पूर्व घोषणायें की जा चुकीं हैं। प्राकृतिक प्रकोप, पर्यावरणीय समस्यायें, जीवन को पोषित करने वाली वस्तुओं का अकाल, खनिजों के अनुशासनहीन दोहन, वैचारिक नकारात्मकता, सत्य को सम्प्रदायों में विभक्त करके जीवन पद्धति थोपने के प्रयास, आस्था संकट की स्थितियां, आतंक के आधार पर सत्ता हथियाने की चालें जैसे अनगिनत कारक प्रकृति और जीवन को किस्तों में कत्ल करते रहे हैं परन्तु अब तो स्थितियां नियंत्रण के बाहर हो चुकीं हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थायें लगभग अस्तित्वहीन हो चुकीं हैं। कोरोना काल में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनीसेफ जैसे उत्तरदायी समूहों द्वारा अपनाया गया पक्षपातपूर्ण रवैया किसी से छुपा नहीं है। भय का मनोविज्ञान ठहाके लगा रहा है। चारों ओर शक्ति के प्रदर्शन से गुलामों की संख्या बढ़ाने की पहल रही है। अग्नेय शस्त्रों की बाढ आ गई है। मिसाइलों की बौछारों से न केवल जन-जीवन समाप्त हो रहा है बल्कि पर्यावरणीय स्थिति भी असंतुलित होकर हाहाकार कर रही है। परमाणु परीक्षणों की प्रतिस्पर्धा में नित नये आंकडे आ रहे हैं। संसार के ठेकेदार बनने वाले विस्तारवादी देशों की कुटिलता ने तूफानी गति पकड ली है। ऐसे में संसार के लगभग सभी देशों में आंतरिक कलह, गृह युद्ध और विघटन की स्थितियां निर्मित करने में कट्टरवादियों की बडी जमातें अपने विदेशी आकाओं की इच्छापूर्ति में तन, मन और धन से लगीं हुईं हैं। आतंकवादी संगठनों को पोषित करने वाले राष्ट्र स्वयं को धर्म विशेष का मसीहा बनाकर प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसे में भारत की भूमिका पर सबकी नजरें लगीं हुईं हैं। सनातन का वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष महोपनिषद के अध्याय 4 के श्लोक क्रमांक 71 में वर्णित है जिसमें समूचा संसार एक परिवार की तरह बताया गया है। इसी तरह गरुड़ पुराण के अध्याय 35.51 में सर्वे भवन्तु सुखिनः की अवधारणा को निरूपित किया गया है। प्रत्येक जीव में दैवीय और आसुरी प्रवृत्तियां होती है। जब दैवीय प्रवृत्तियों यानी सकारात्मकता का बाहुल्य होता है तब वह जीव देववत हो जाता है और जब उसमें आसुरी प्रवृत्तियों यानी नकारात्मकता का बाहुल्य होता है तब वही असुर बन जाता है। सभी जीव जन्म से देवता ही होते हैं जिन्हें बाद में परिवार के संस्कार, शिक्षा और वातावरण के आधार पर ही असुर बना जाता है। इस तरह की प्रवृत्तियों के कारण ही आज विश्व शान्ति के लिए सनातनी विचारधारा आवश्यक ही नहीं बल्कि नितांत आवश्यक है। सभी धर्म गुरुओं ने एक ही तरह से निराकार परमात्मा को परिभाषित किया है जिसमें ज्योति पुंज की आराधना का क्रम ही आस्था की पहली सीढी माना गया है। भविष्यवक्ताओं ने इसी ओर स्पष्ट संकेत किया है कि शान्ति, सुख और समृद्धि के लिए सभी जीवों को इसी तरह की अवधारणा का आलम्बन करना पडेगा। जनसंख्या वृद्धि की असंतुलनकारी स्थितियां, जीव की शोषणकारी प्रवृत्तियां और भौतिक संपदाओं का संग्रह ही विनाश की पटकथा लिखेगी। वैचारिक प्रदूषण ही रक्तरंजित स्थितियां निर्मित करेंगी।

ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार, भारत आखिर कैसे देगा जवाब?

बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है।

(नीरज कुमार दुबे)

यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की। करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है। यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है।

पानी पर कब्जा यानी भविष्य पर कब्जा – चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है।

विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है।

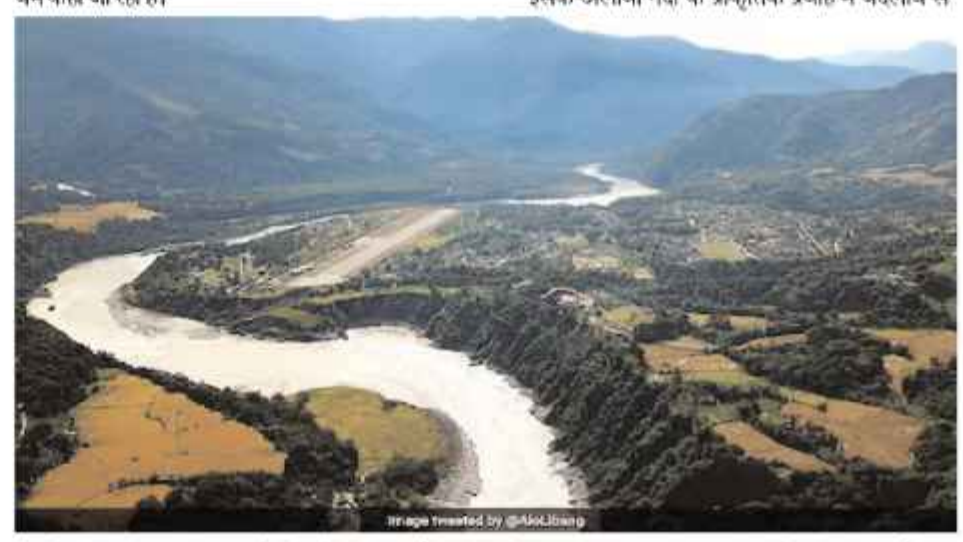

लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।

पर्यावरण के साथ खतरनाक खिलवाड़ – जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं।

इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा।

तिब्बत की आवाज दबाकर बनाई जा रही परियोजना – इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। तिब्बती समुदाय और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है।

भारत का पलटवार भी कम आक्रामक नहीं – चीन की इस चाल के जवाब में भारत ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। भारत पूर्वोत्तर में 208 बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिसकी कुल क्षमता 75 गीगावाट से ज्यादा होगी। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट अपर सियांग है जिसकी ऊंचाई लगभग तीन सौ मीटर और क्षमता ग्यारह गीगावाट होगी। इसका मकसद केवल बिजली बनाना नहीं बल्कि चीन के जल नियंत्रण के खतरे को संतुलित करना है। भारत की योजना है कि वर्ष 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से छिहत्तर गीगावाट से अधिक बिजली पैदा की जाए। यानी यह साफ है कि यह अब ऊर्जा की दौड़ नहीं बल्कि रणनीतिक टकराव बन चुका है।

पानी से डेटा तक फैलती जंग – अब यह संघर्ष केवल नदी तक सीमित नहीं रहा। जलविद्युत परियोजनाएं अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा तंत्र से जोड़ रहा है जबकि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण पर काम कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि जो देश पानी को नियंत्रित करेगा वही ऊर्जा और डेटा दोनों पर नियंत्रण हासिल करेगा। यानी भविष्य की ताकत अब पानी और तकनीक के गठजोड़ में छिपी है।

बिना नियम के खतरनाक खेल – सबसे बड़ा खतरा यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। यानी कोई बाध्यता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अतीत में चीन ने साल 2000 में आई बाढ़ के दौरान जरूरी आंकड़े साझा नहीं किए थे जिससे भारी नुकसान हुआ था। इससे भरोसे की कमी और गहरी हो गई है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का सफल आयोजन, संगठन सशक्तिकरण पर जोर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल भानुप्रतापपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में हुआ। उदघाटन सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लटिया एवं प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन की विशेष उपस्थिति रही। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ, जिसमें संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं आगामी रणनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। प्रथम दिवस में मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे का प्रेरणादायी उद्बोधन हुआ, जिसमें उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता की भूमिका एवं अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। यह प्रशिक्षण महाभियान दो दिवसीय आवासीय स्वरूप में आयोजित किया गया, जिसमें कुल आठ विषयों पर क्रमबद्ध सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में भारतीय जनता पार्टी के इतिहास, विचारधारा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत, संगठनात्मक संरचना, कार्यकर्ता की भूमिका, जनसंपर्क कौशल, सेवा कार्यों की महत्ता एवं वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। प्रशिक्षण महाभियान का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ बनाना, संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करना तथा उन्हें एक सक्षम, अनुशासित एवं सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में तैयार करना रहा। इस प्रशिक्षण महाभियान की विशेष बात यह रही कि पूरे मंडल के सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक सप्ताह पूर्व से ही इसकी तैयारियों में जुटे हुए थे। सभी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री ने अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने दो दिवसीय प्रशिक्षण में सहभागिता की। इसी क्रम में जिला महामंत्री राजा पांडे ने अपने गृह मंडल में व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखते हुए पूरे प्रशिक्षण अवधि में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में मंडल महामंत्री राजीव श्रीवास एवं गिरधारी नरेटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दोनों दिनों तक पूरे कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुटता के सूत्र में बांधकर रखा। महिला मोर्चा की बहनों ने तिलक स्वागत से लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया, वहीं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पंजीयन, भोजन, आवास एवं अन्य सेवाओं में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर कार्यक्रम को सफल बनाया। द्वितीय दिवस के समापन सत्र में कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आसाराम नेताम का आगमन हुआ।

उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। समापन सत्र में नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए, उन्होंने प्रशिक्षण महाभियान की संतुलित व्यवस्था के लिए मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं पूरे टीम की प्रशंसा की अंत में मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे ने सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण महाभियान कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह एवं समर्पण की भावना का संचार करने में सफल रहा तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। इस प्रशिक्षण अभियान में मंडल उपाध्यक्ष योगेश सोनवानी, सरिता जोशी, चैतुराम आंचला डालन सिंह राणा, मंडल मंत्री सुमित्रा साहू कौशल्या उईके अनीता रावटे, कोषाध्यक्ष जीवराखन सलाम मीडिया प्रभारी संतोष बाजपेयी, देवलाल दुग्गा जी,बृजेश चौहान नरोत्तम चौहान, रजिंदर रंधावा, रामबाई गोटा संकेत नशीने अरविंद जैन सतीश श्रीवास्तव, गौतम ऊईके रत्नेश सिंह, छत्रप्रताप दुग्गा, गुरप्रीत रंधावा शैलेन्द्र पुनिया भीखम आरदे वरुण खापर्डे संदीप बूलचा ठाकुर धर्मेंद्र राकटे आकाश सोलंकी लक्ष्मण कुलदीप हिमांशु ठाकुर संगीता टांडिया शकुंतला यादव कार्तिक हिड़को डिकेश साहू, जागेश्वर नरेटी प्रेम शर्मा मनोज रावटे कौशल रामटेके विनोद नाग राकेश देवांगन कृष्णा निषाद तरुण पांडे नरेंद्र सांवले राजेंद्र ध्रुव सत्ती कोरेटी रवि ठाकुर मिलन साहू हेम सोनवानी, ज्वाला प्रसाद जैन हेमप्रकाश शिवहरे, सीता चंद्राकर उर्मिला जसूजा प्रेमलता उसेंडी यशोदा ठाकुर, गिरिजा देवी साहू, सरिता देवांगन नीलिमा रावटे,राजेश्वरी कचलाम, कनिष्का राजपूत प्रतिभा दर्रो जगन्नाथ साहू शिवचरण गौरी शंकर जैन, जुगल किशोर शर्मा, सुभाष कोठारी हरेश यादव तामेश्वर साहू पवन जैन लल्लू राम अजय मेश्राम बसंत यादव गौरव शर्मा गौरव नाशिनी शैलेश ठाकुर रोहित कुमार कनक राजपूत छत्रपाल यादव उपेंद्र यादव तामेश्वर साहू महिमा ठाकुर गजेंद्र कुमार निषाद रमेश तिवारी गोपाल सिंह बघेल नीतीश मेहता प्रताप निषाद कमलेश गावडे सुमित पुजारी एवं अन्य कार्यकर्ता व प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

खादी वस्त्र ही नहीं, विचारधारा भी है : मनोज कुमार

कांकेर। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्यरत विभाग के अध्यक्ष मनोज कुमार कांकेर के गोविंदपुर स्थित खेल मैदान पहुंचे जहां पर उन्होंने ग्रामोद्योग विकास योजना अतंर्गत प्रदेशभर से आए 580 हितग्राहियों को विभिन्न गतिविधियों जैसे- कुम्हारी, दोना-पत्तल निर्माण, फुटवियर निर्माण, मधुमक्खी पालन, इमली प्रसंस्करण, प्लंबर जैसी विभिन्न सृजनात्मक कार्यों से संबंधित मशीनों एवं टूलकिट का वितरण किया। इस अवसर पर हितग्राहियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि खादी वस्त्र ही नहीं, यह एक विचारधारा भी है। आज दोपहर गोविंदपुर के खेल मैदान में आयोजित टूलकिट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर हाथों को हुनर दिलाने, उन्हें कुशल बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास और उत्थान पर सतत कार्य कर रहे है। उनके विजन-2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूरा हो सकता है, जब प्रत्येक व्यक्ति हर दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनें। अध्यक्ष कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा को पूर्ण करने प्रदेश की साय सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश सशक्त होगा तो देश भी सशक्त होगा और इसमें खादी ग्रामोद्योग विभाग सहित प्रत्येक नागरिक की भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने स्वदेशी उत्पाद अपनाने पर जोर देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा ग्रामोत्थान की संकल्पना इस बात से पता चलता है कि विभाग द्वारा 90 प्रतिशत तक की अनुदान राशि का प्रावधान किया गया है। मनोज कुमार ने सभी हितग्राहियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने, आधुनिक टूलकिट का सदुपयोग करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की बात कही।

कांकेर-भानुप्रतापपुर का 'मावा मोदोल' बना सफलता की मिसाल, 20 छात्रों ने सीजीपीएससी प्री में दर्ज की जीत

कांकेर। जिला उत्तर बस्तर कांकेर में जिला प्रशासन द्वारा संचालित अभिनव पहल मावा मोदोल - मेरा मूल मेरा भविष्य निःशुल्क कोचिंग योजना ने एक बार फिर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस योजना के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीजीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 20 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है, जो जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गया है। यह महत्वाकांक्षी योजना कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग उपलब्ध कराना है। जिला मुख्यालय कांकेर एवं विकासखंड मुख्यालय भानुप्रतापपुर में संचालित इस कोचिंग कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष से विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर रहे थे। अब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। भानुप्रतापपुर शाखा से 12 छात्र-छात्राओं तथा कांकेर शाखा से 8 छात्र-छात्राओं ने प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया है। भानुप्रतापपुर शाखा से सफल विद्यार्थियों में शिल्पा नुरेटी, कु. छबीलता देहारी, भावेश करंगा, रामगुलाल, कु. रजोतिन, राहुल ठाकुर, डेनियल वर्मा, गजेंद्र सोनवानी, लोचन प्रसाद देवांगन, कु. नेहा कोरेटी, दीप मल्लिका चुरेंद्र एवं कमल राम ठाकुर (नायब तहसीलदार) शामिल हैं। वहीं, कांकेर शाखा से सफल विद्यार्थियों में सुभाष नेताम, वीरेंद्र टंडन, प्रतिभा कुंजाम, प्राची वासनीकर, तुषार शेंडे (टेस्ट सीरीज लाभार्थी), दिलीप कुमार मार्कण्डेय, नीरज कुमार साहू एवं विक्रांत शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि आर्थिक रूप से कमजोर है, लेकिन उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और अनुकूल वातावरण ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और सफलता की राह आसान की। कलेक्टर कांकेर ने इस उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रशासन की प्रतिबद्धता का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को राशि अंतरित की

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 4.95 लाख से अधिक पात्र परिवारों के लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का अंतरण किया। इन हितग्राहियों में कोण्डागांव जिले के 7673 हितग्राही भी शामिल है, जिनके खाते में 07 करोड़ 67 लाख 30 हजार रूपए की अंतरित हुई। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जिले के हितग्राही कन्हैयालाल कौशिक से सीधा संवाद किया और योजना की राशि के उपयोग के बारे में जानकारी ली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरित की है। ऐसे भूमिहीन जो मजदूरी या अन्य कार्यों से जीवन यापन कर रहे हैं, उन्हें इस राशि से काफी राहत मिलेगी और आर्थिक मजबूती आएगी। उन्होंने कहा कि परिवार जब आर्थिक रूप से मजबूत होता है तभी हम बच्चों की शिक्षा, पालन पोषण और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर ढंग से कर पाते हैं। उन्होंने सभी लाभान्वित हितग्राहियों को शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को आर्थिक रूप से संबल बनाने के लिए शुरू की गई एक प्रमुख योजना है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के भूमिहीन कृषि श्रमिकों को सशक्त बनाना है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को आर्थिक सुरक्षा का सशक्त संबल मिलेगा। सशक्त श्रमिकों के माध्यम से सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य सुनिश्चित करना छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है।

अपनों की तलाश में पथराई आंखें, आधी रात को घर से रहस्यमय तरीके से ओझल हुई 47 वर्षीय जानकी

सुकमा। एक खुशहाल परिवार की हंसी उस वक्त गहरी चिंता और सन्नाटे में बदल गई, जब जिला सुकमा के ग्राम पंचायत कुन्दनपाल की निवासी 47 वर्षीय जानकी नाग अपने मायके गादीरास से रहस्यमय तरीके से लापता हो गईं। शनिवार की शाम तक जो महिला अपने भाई और परिजनों के साथ हंसी-खुशी भोजन कर रही थी, वह रात के अंधेरे में किन परिस्थितियों में घर से निकली, यह सवाल अब पूरे परिवार को अंदर ही अंदर खाए जा रहा है।

घटनाक्रम के अनुसार एक सामान्य रात जो 'रहस्य' बन गई – जानकारी के अनुसार, जानकी नाग अपने पति चांदू नाग और भाई कुमार के साथ शनिवार को अपने मायके गादीरास आई थीं। रविवार की रात उन्होंने परिवार के साथ सामान्य रूप से भोजन किया और सोने चली गईं। लेकिन सोमवार की सुबह जब परिवार के सदस्यों की नींद खुली, तो जानकी का बिस्तर खाली था। बिना किसी को कुछ बताए या कोई संकेत दिए, उनका इस तरह गायब हो जाना परिजनों के लिए किसी सदमे से कम नहीं है।

सुकमा से जगदलपुर तक खाक छान रहे अपने – लापता जानकी के बेटे मनीष नाग और भतीजे संजू नाग के लिए पिछला कुछ समय किसी बुरे सपने जैसा बीत रहा है। संजू नाग ने बताया कि उन्होंने सुकमा के चप्पे-चप्पे के साथ-साथ पड़ोसी जिलों दंतेवाड़ा और जगदलपुर में भी हर संभावित ठिकाने पर तलाश की है, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, परिवार के मन में किसी अनहोनी की आशंका गहराती जा रही है।

पुलिसिया कार्रवाई और मानवीय अपील – इस संवेदनशील मामले पर गादीरास थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस की टीमें सक्रिय हैं और आसपास के थाना क्षेत्रों को भी अलर्ट भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि वे तकनीकी और जमीनी दोनों स्तरों पर जांच कर रहे हैं और जल्द ही किसी सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है।

एक भावुक अपील – परिजनों के चेहरे पर पसरी मायूसी और घर की सूनी दीवारें बस एक ही पुकार कर रही हैं– माँ, लौट आओ। यदि किसी भी व्यक्ति को 47 वर्षीय जानकी नाग के बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो वे तुरंत गादीरास पुलिस या स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। आपकी एक छोटी सी कोशिश एक मां को उसके बेटे से मिला सकती है।

रामनवमीं पर किरन्दुल में निकाली गई भव्य स्कूटी एवं बाइक रैली

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल में श्री रामजन्मोत्सव समिति द्वारा हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 का स्वागत बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। समिति द्वारा श्री रामनवमीं की पूर्व संध्या वृहस्पतिवार शाम 04 बजे भव्य स्कूटी एवं बाइक रैली निकाली गई।बता दें रैली श्री राघव मंदिर से प्रारंभ होकर मैन मार्केट, बंगाली कैम्प रामपुर कैम्प, गांधीनगर, बैंक चौक होते हुए सम्पूर्ण नगर भ्रमण कर वापस श्री राघव मंदिर परिसर में समापन हुआ। इस बीच श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाकर सम्पूर्ण वातारण को भक्तिमय कर दिया। सैकड़ों बाईक व स्कूटी सवार भगवा ध्वज और भगवा वस्त्र से सुसज्जित होकर रैली में सम्मिलित हुए। जिस स्थान से रैली गुजरी, लोग मंत्र मुग्ध होकर देखते रह गये। इस दौरान विभिन्न स्थानों में पुष्प वर्षा एवं जलपान से रैली का स्वागत किया गया। हज़ारों की संख्या में रामभक्त सम्मिलित हुए।

वासंतीय नवरात्र के अष्टमी तिथि को की गई महागौरी की पूजा

किरन्दुल। विक्रम संवत 2083, चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व की अष्टमी तिथि वृहस्पतिवार किरन्दुल स्थित श्री राघव मंदिर में माता के महागौरी स्वरूप की पूजा की गई। श्री राघव मन्दिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल ने जानकारी दी कि मां महागौरी, मां दुर्गा का आठवां स्वरूप है। इन्हें आठवीं शक्ति कहा जाता है। महागौरी ही शक्ति मानी गई हैं। पुराणों के अनुसार, इनके तेज से संपूर्ण विश्व प्रकाशमान है। दुर्गा सप्तशती के अनुसार, शुंभ निशुंभ से पराजित होने के बाद देवताओं ने गंगा नदी के तट पर देवी महागौरी से ही अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की थी। मां के इस रूप के पूजन से शारीरिक क्षमता का विकास होने के साथ मानसिक शांति भी बढ़ती है। माता के इस स्वरूप को अन्नपूर्णा, ऐश्वर्य प्रदायिनी, चैतन्यमयी भी कहा जाता है।

थाना फरसगांव पुलिस द्वारा हत्या करने के नियत से गंभीर चोट पहुंचाने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कोण्डागांव। जिला कोण्डागांव के थाना फरसगांव क्षेत्रांतर्गत ग्राम कोर्राबड़गांव के प्रार्थी रामू नेताम पिता जगनाथ नेताम उम्र 30 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करवाया कि 27 फरवरी 2026 के करीबन 11.30 बजे प्रार्थी के दीदी रमूला मरकाम पति सन्तुराम मरकाम उम्र 35 वर्ष निवासी सोनाबेड़ा टाटी को उसका देवर अनत लाल मरकाम ने मोबाईल की बात को लेकर माँ बहन की गंदी-गंदी गाली गुप्तार कर जान से मार दुंगा कहकर जान से मारने की नियत से धारदार हथियार से रमूला के सिर, दाहिना हाथ के अंगुली में प्राण घातक गंभीर चोंट पहुंचाया है। जिससे रमूला घायल है प्रार्थी के दीदी के दाहिने हाथ के उंगूली, सिर में तीन जगह पे माथा में गंभीर चोंट है जो बातचीत नही कर पा रही है कि प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 15/2026 धारा 296, 351(3), 109(1) बीएनएस. पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय के पर्यवेक्षण में विवेचना के दौरान आरोपी अनत लाल मरकाम पिता श्यामलाल मरकाम उम्र 29 वर्ष निवासी टाटीपारा सोनाबेड़ा थाना फरसगांव जिला कोण्डागांव छ.ग. को हिरासत में लेकर थाना लेकर पूछताछ पूछताछ करने पर दिनांक घटना को जुर्म कारित करना स्वीकार करने पर 25 मार्च 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक चन्द्रशेखर श्रीवास थाना प्रभारी, उप निरीक्षक शशीभूषण पटेल, प्रधान आर. राजकुमार बंजारे, कृष्ण कुमार सेठिया, रतिराम मंडावी की उल्लेखनीय भूमिका रही है।

पुनर्वास केंद्र सुकमा में सैचुरेशन शिविर का आयोजन

सुकमा। जिले में शासन की पुनर्वास नीति को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नक्सल पुनर्वास केंद्र में बुधवार को कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में एक विशेष सैचुरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य नवीन आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना है। जिला सीईओ ठाकुर ने स्वयं पुनर्वास केंद्र में सैचुरेशन शिविर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कुछ आवश्यक निर्देश भी दिए। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का सर्वे किया गया, ताकि उन्हें शीघ्र आवास सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

महतारी वंदन योजना बनी सहारा श्रीमती मानकुंवर की प्रेरक सफलता कहानी

बलरामपुर। विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर की निवासी श्रीमती मानकुंवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ने एक सकारात्मक बदलाव लाया है। इस योजना के अंतर्गत उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है, जो उनके लिए एक मजबूत सहारा बन गई है। पहले जहां घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण होता था, वहीं अब इस नियमित सहायता राशि से श्रीमती मानकुंवर अपने परिवार की आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। राशन, बच्चों की जरूरतें और दैनिक खर्च जैसे कार्यों में यह राशि उनके लिए काफी मददगार साबित हो रही है। केवल घरेलू खर्च ही नहीं, बल्कि खेती के समय भी यह राशि उनके लिए उपयोगी सिद्ध होती है। बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में वह इस पैसे का उपयोग कर अपने खेतों की देखभाल बेहतर तरीके से कर रही हैं। इससे उनकी खेती में भी सुधार आया है और उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद बढ़ी है। श्रीमती मानकुंवर बताती हैं कि यह योजना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी सहायक रही है। अब वे आर्थिक रूप से पहले की तुलना में अधिक सशक्त महसूस करती हैं और परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

कोनी स्थित शासकीय कुक्कुड़ प्रक्षेत्र में बर्ड फ्लू संक्रमण प्रसार बचाव कार्यक्रम, एस.बी.कंवर डीप्टी रेंजर ने आम जन से अपेक्षा हैं की वे आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील

बिलासपुर। जिला बिलासपुर कोनी स्थित शासकीय कुक्कुड़ प्रक्षेत्र में बर्ड फ्लू (एवियन एनफ्लूयंजा) की पुष्टि के मद्देनजर संक्रमण प्रसार बचाव एवं जैव सुरक्षा उपायों के तहत कानन पेंडारी जूलाजिकल गार्डन, बिलासपुर (छ.ग.) को आज दिनांक 25/03/2026 से आगामी 07 दिवस हेतु पर्यटकों के लिए अवस्थी रूप से बंद किया जाता हैं द्य इस अवधि में केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के मानक संचालन प्रक्रिया अनुसार जू परिसर में आवश्यक कीटाणु रोधी दवाओं का नियमित रूप से छिड़काव कर संक्रमण से बचाव हेतु उपाय सुनिश्चित किया जा रहा हैं द्य सभी पक्षियों पर निगरानी करना, बाहरी व्यक्ति का जू के अन्दर प्रवेश पर नियंत्रण रखना तथा जैव सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन करना, जन स्वास्थ्य एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया हैं द्य आम जन से अपेक्षा हैं की वे आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील

धीरेन्द्र शास्त्री की हनुमंत कथा 28 मार्च से ढपढप में

कोरबा। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा 28 मार्च से बांकीमोंगरा और कटघोरा के नजदीक ढपढप में शुरू हो रही है। पांच दिन तक चलने वाले इस आयोजन के लिए समिति ने लोगों से अलग-अलग स्तर पर अच्छा सहयोग मिलने की बात कही। दावा है कि लाखों की संख्या में लोग यहां पहुंचेंगे। उनके लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। प्रेस क्लब में आयोजन समिति के संरक्षक जुड़ावन सिंह ठा., संयोजक अमरजीत सिंह, सचिव डॉ. पवन सिंह, संरक्षक सुबोध सिंह, मातृशक्ति प्रमुख रितु चैरसिया और राणा मुखर्जी ने आज बातचीत की। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से तीन स्थानों को इस आयोजन के लिए देखा गया था। अंतिम स्तर पर हर दृष्टि से ढपढप की जगह तय की गई। 200 एकड़ के कुल क्षेत्रफल में बड़ी संख्या में लोगों के आने जाने और अन्य सुविधा दी जानी संभव हुई है।

अयोध्या की धरा पर छलक उठी आस्था,रामलला के हुए दिव्य दर्शन,भक्तों ने कहा सफल हुआ जीवन, रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं जय श्री राम।

■ बिलासपुर से अयोध्या पहुंचा श्रद्धालुओं का विशाल जत्था, त्रिवेणी संगम स्नान से लेकर रामलला दर्शन तक भाव-विभोर हुए भक्त

बिलासपुर। चैत्र नवरात्र रामनवमी के पावन अवसर में बिलासपुर से निकले 1008 रामभक्तों का दिव्य जत्था आज अयोध्या पहुंचा, जहां रामलला के प्रथम दर्शनों ने श्रद्धालुओं का मन भाव-विभोर कर दिया। भगवा वेशधारी भक्तों ने संगम स्नान, पदयात्रा और भजन-कीर्तन के बीच ऐसी आध्यात्मिक अनुभूति पाई, जिसने उनके जीवन को नई दिशा देने का काम किया। भक्तों ने कहा कि अयोध्या पहुंचकर लगा मानो जीवन सफल हो गया। बिलासपुर के पुलिस ग्राउंड से 25 मार्च की सुबह 1008 रामभक्तों का विशाल जत्था विधिवत मंत्रोच्चार और जयघोषों के बीच रवाना हुआ। यात्रा संयोजक प्रवीण झा और उनकी टीम ने पूरे मार्ग में भक्तों की सुरक्षा, भोजन, आवास और चिकित्सा व्यवस्था का बारीकी से ध्यान रखा। बसों में हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित कर भक्तों ने गर्जनापूर्ण 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ यात्रा प्रारंभ की। 26 मार्च को आज अयोध्या पहुंचते ही स्थानीय स्वयंसेवकों ने पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। होटल में विश्राम के बाद सभी श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए पदयात्रा के रूप में श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। रामलला के दर्शन करते ही श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। बिलासपुर के केसी मिश्रा ने कहा दर्शन के उस पल ने आत्मा को शांति दी, लगा मानो प्रभु ने अपने चरणों में बुला लिया। वहीं युवा श्रद्धालु अमित साहू ने बताया यह यात्रा मेरे जीवन में परिवर्तन का क्षण बन गई है। मैं अयोध्या से लौटकर नशामुक्त और अनुशासित जीवन जीने का संकल्प लेकर जा रहा हूं। यात्रा के दौरान प्रयागराज संगम स्नान भी शामिल रहा, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन ने भक्तों को आंतरिक शुद्धि का एहसास कराया। पूरे कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका ने यात्रा को अनुशासित और सफल बनाया। प्रयागराज पहुंचते ही सभी 1008 श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भक्तों ने बताया कि गंगा, यमुना और सरस्वती के इस पवित्र मिलन स्थल पर स्नान करते ही मन जैसे पवित्र हो गया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि संगम का जलाभिषेक केवल शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा का शुद्धिकरण है। इस क्षण ने यात्रा की आध्यात्मिकता को और गहरा कर दिया। यात्रा समिति के सक्रिय सदस्य रौशन सिंह ने कहा कि अयोध्या पहुंचकर रामलला के पहले ही दर्शन में भक्तों की आंखें भर आईं। पदयात्रा के दौरान गूंजते जयघोष वातावरण में ऊर्जा भर रहे थे। बिलासपुर की श्रद्धालु सरिता वर्मा ने कहा दर्शन के क्षण में लगा जैसे प्रभु ने स्वयं अपना आशीर्वाद दिया। वहीं बुजुर्ग श्रद्धालु संतोष चौहान ने कहा जीवन में पहली बार ऐसा दिव्य अनुभव हुआ। यात्रा में स्वयं सेवक रामप्रताप सिंह, रौशन सिंह, एके कंठ, ललित पुजारा, त्रिभुवन सिंह, रिंकू मित्रा, मुकेश झा, हरिशंकर कुशवाहा, चंद्र किशोर प्रसाद, संजय द्विवेदी, सागर साहू, अजीत पंडित, राकेश राय, सन्नी गिरी, जयदीप घोष, सन्नी गिरी, शौलेन्द्र सिंह, माधव सिंह, नितीन श्रीवास्तव, रुपेश कुशवाहा, विक्की राय, हर्ष सिंह, प्रमोद सिंह, विनय सिंह, ओंबकेश पांडे, ईश्वर यादव, समर्पित जैन, प्रकाश देबनाथ, ऋतिक गिरी, त्रिलोकी तिवारी, सनद पटेल, प्रभात चौधरी का सराहनी योगदान है।

ग्राम पंचायत जिगड़ी का सचिव कल्लू राम को पुनर्नियुक्ति को रद्द करने और उन्हें दूसरे जगह स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए

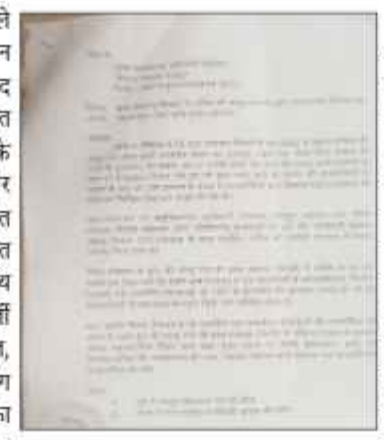

राजपुर बलरामपुर जिले के राजपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय, जनपद पंचायत राजपुर ग्राम पंचायत जिगड़ी में सचिव कल्लू राम के पुनर्नियुक्ति को रद्द करने और उन्हें दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए ग्राम पंचायत जिगडी में वर्ष 2022 में पदस्थ सचिव कल्लू राम द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर मूलभूत, 14वां एवं 15वां वित्त आयोग की राशि के दुरुपयोग का गंभीर प्रकरण सामने आया था। साथ ही राशन कार्ड बनवाने के नाम पर रु.1000/- रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने की घटना भी ग्रामवासियों के संज्ञान में आई थी। उक्त प्रकरण के संबंध में ग्रामवासियों द्वारा दिनांक 02/11/2022 को विधिवत लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी। उक्त शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजपुर महोदय तथा जिला पंचायत सीईओ महोदया द्वारा जांचोपरांत कार्यवाही की गई थी। कार्यवाही क्रमांक 2635 दिनांक 02/11/2022 के तहत संबंधित सचिव को जनपद पंचायद में संमध (अटैच) किया गया था। किन्तु वर्तमान में पुनः कल्लू राम को ग्राम पंचायत जिगड़ी में सचिव के पद पर पदस्थ कर दिया गया है। इससे ग्राम पंचायत में पुनः दस्तावेजों में अनियमितता, वित्तीय गड़बड़ी एवं शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग की आशंका उत्पन हो गई है। ग्रामवासियों में इस संबंध में गहरी चिंता एवं असंतोष व्याप्त हो रहा है इस लिए ग्रामहित एवं शासकीय योजनाओं की पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए कल्लू राम को ग्राम पंचायत जिगड़ी से तत्काल प्रभाव से हटाकर अन्य स्थानांतरित किया जाए तथा उनके स्थान पर किसी ईमानदार, कर्मठ एवं निष्पक्ष सचिव की पदस्थापना की जाए, जिससे पंचायत कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो सके।

तखतपुर नगर पालिका में घमासान,अध्यक्ष के खिलाफमोर्चा खोलेंगे पार्षद,विवादों से भरा हैं चल रहा भगवान भरोसे

तखतपुर। मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद तखतपुर के विभिन्न वार्डों में होने वाले विकास कार्यों को लेकर पार्षदों और अध्यक्ष के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरू) को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि स्वीकृत विकास कार्यों की सूची में किसी भी प्रकार का परिवर्तन किया गया, तो वे अध्यक्ष और अधिकारी के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे। करोड़ों के बजट पर पार्षदों के अनुसार उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा श्रीराम सदन में विधायक धर्मजीत सिंह की मांग पर तखतपुर के वार्ड विकास के लिए 309.49 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की गई थी। इन कार्यों का प्रस्ताव परिषद में भी पारित किया जा चुका है। पार्षदों का आरोप है कि अब इन कार्यों की सूची को बदलने की कोशिश की जा रही है। इन वार्डों के पार्षदों ने जताई आपत्ति विज्ञप्ति में वार्ड क्रमांक 01, 03, 04, 05, 06, 08, 12 और 14 के विकास कार्यों का विशेष उल्लेख किया गया है। जमकर नाराजगी है हस्ताक्षर करने वाले पार्षदों का कहना है कि प्रशासन को इन कार्यों का प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजना चाहिए। यदि इसमें देरी या बदलाव होता है। तो इसकी समस्त जिम्मेदारी नगर पालिका अध्यक्ष और ष्टरू की होगी। इस हेराफेरी को लेकर प्रभावित वार्ड वासियों में

संविधान बचाओ की हुंकार-28 मार्च को बलरामपुर में

बलरामपुर। बलरामपुर कल से छत्तीसगढ़ में पारित धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के विरोध में 28 मार्च, शनिवार को बलरामपुर जिले में एक बड़ा जनआंदोलन देखने को मिलेगा। साप्ताहिक बाजार बलरामपुर से कलेक्टर कार्यालय तक आयोजित इस विशाल रैली में लगभग 2000 लोगों के शामिल होने का अनुमान है। रैली के माध्यम से कलेक्टर के जरिए राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

तय मार्ग और समय रैली दोपहर 12 बजे

साप्ताहिक बाजार से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी। कार्यक्रम शाम 4:30 बजे तक जारी रहेगा। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि रैली पूरी तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से आयोजित की जाएगी।

विधेयक को बताया संविधान विरोधी

आयोजकों का कहना है कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026, नागरिकों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का

उल्लंघन करता है। उन्होंने विशेष रूप से अनुच्छेद 25 से 28 का हवाला देते हुए कहा कि हर नागरिक को धर्म मानने, पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता हैयह मौलिक अधिकार है, जिसे किसी भी कानून से सीमित नहीं किया जा सकता आयोजकों ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में लागू मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 के तहत कई मामलों में कथित रूप से झूठे एफआईआर दर्ज हुए, जो न्यायालय में सिद्ध नहीं हो सके। ऐसे में नए विधेयक के दुरुपयोग की आशंका और अधिक बढ़ने की बात कही जा रही है।

संयुक्त मोर्चा मैदान में इस विरोध प्रदर्शन का

नेतृत्व भारत मुक्ति मोर्चा कर रहा है, जिसके साथ कई संगठन शामिल हैं, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद, सभी संगठनों ने इसे संविधान और अधिकारों की रक्षा की लड़ाई बताया है।

प्रशासन अलर्ट मोड पर रैली को लेकर

आयोजकों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी को पूर्व सूचना दी है। साउंड सिस्टम (ध्वनि विस्तारक यंत्र) के उपयोग की अनुमति भी मांगी गई है बड़ी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है

आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर जंगलों में महुआ उठा रही कार्यकर्ता

सरगुजा जिले के वनांचल क्षेत्र के अधिकतर आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहने से उस क्षेत्र के लोगों को पूरक पोषण आहार गर्म भोजन और रेडी टू ईट का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वनांचल क्षेत्र के अधिकतर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आंगनबाड़ी बंद कर जंगलों में महुआ उठाओ कर रही है दरअसल पूरा मामला सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के कुम्ही सेक्टर के ग्राम सेलरा का है। ग्रामीणों की सूचना पर जब स्थानीय मीडिया कर्मी गांव पहुंचे तो किराए के मकान में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र सेलरा बंद मिला और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर के सामने वाले जंगल में अपने परिवार के साथ महुआ चुन रही थी। और आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका गोबर चुने जंगल की ओर गई थी आंगनबाड़ी बंद होने के कारण केंद्र में दर्ज बच्चे गर्म भोजन और रेडी टू से वंचित रहे और ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि लगातार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के द्वारा लापरवाही बरती जाती है और नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन नहीं किया जा रहा है जिससे उसे क्षेत्र के गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है साथ ही शासन द्वारा चलाए जा रहे हैं शासकीय योजनाओं का क्रियावन भी सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। महुआ उठाओ के लिए जंगल गई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से सुपरवाइजर ने कहा की लोकेशन में जाकर मोबाइल से फेटो अपलोड कर उपस्थिति दर्ज कर दो कह रही है और कार्यकर्ताओं को टी ए बनाने सीखने को फैलपुर जाने को कही जबकी इन सभी कार्यों को सीखने और निरीक्षण करने के लिए सेक्टर सुपर वाइजर होते हैं पर इस तरह से देखा जा सकता है कि सुपर वाइजर के द्वारा कार्यकर्ताओं सहायिकाओं को खुला छूट दे रखी है। ग्राम लवजी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका एक माह से केंद्र से नदारत है। किन कारण से सहायिका आंगनबाड़ी केंद्र नहीं आ रही है इसकी जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सेक्टर सुपरवाइजर को नहीं है सहायिका के नहीं पहुंचने से कार्यकर्ता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर की सुपरवाइजर अनीता क्रॉस द्वारा आंगनबाड़ी केदो का निरीक्षण नहीं करने से सेक्टर अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन नियमित रूप से नहीं हो पा रहा है सेक्टर अंतर्गत कई आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहते हैं या तो आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन सहायिकाओं के द्वारा किया जाता है ।

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एसईसीएल को मिला राष्ट्रीय सम्मान.....

■ नई दिल्ली में वाटर डाइजेस्ट अवार्ड 2026 के अंतर्गत माननीय जलशक्ति राज्यमंत्री, भारत सरकार ने किया पुरस्कृत

बिलासपुर। जल संरक्षण एवं औद्योगिक जल प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) को वाटर डाइजेस्ट अवार्ड 2026 के अंतर्गत इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल वाटर मैनेजमेंट एंड स्टूअर्डशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। दिनांक 23 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री राज भूषण चौधरी के करकमलों से प्रदान किया गया। एसईसीएल की ओर से यह पुरस्कार कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन एवं निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र द्वारा ग्रहण किया गया। यह सम्मान एसईसीएल द्वारा संचालित खान जल के सदुपयोग के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। इस योजना के माध्यम से खदानों से निकलने वाले जल को आसपास के क्षेत्रों में जल संकट को कम करने के साथ-साथ स्थानीय किसानों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा,जल संरक्षण हमारे लिए प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है।

एसईसीएल सतत एवं जिम्मेदार खनन के प्रति प्रतिबद्ध है, और खान जल का सदुपयोग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से हम न केवल संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि आसपास के समुदायों, विशेषकर किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। एसईसीएल की इस पहल से जहां एक ओर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, वहीं किसानों को सिंचाई के लिए विश्वसनीय जल स्रोत मिलने से अब वे वर्ष में दो फसलें लेने में सक्षम हो रहे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ क्षेत्र में सतत जल प्रबंधन को भी मजबूती मिली है, जो समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जानिए हाथों की हस्तरेखा के बारे में...

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढकर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आईए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या हृदय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

हृदय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की हृदय रेखा गहरी होगी उनको प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा फीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती हैं। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के संदर्भ में वह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधों के बिछडने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई हृदय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए करें ऐसा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रात: काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत: भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्राच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

करें ये आसान उपाय संवरती है बिगड़ी तकदीर

वास्तु क्या है, क्यों है, लोग क्यों इसे इतना महत्व देते है, ये बाते तो आप सभी जानते होंगे। लेकिन आज हम आपको वास्तु शास्त्र से जुड़े उन तथ्यों के बारे में बताने जा रहे है, जिन्हे जानकर आप चौक जाएंगे। ये जानकर आप चौक जाएंगे कि आधी से ज्यादा जनता इन गलतियों को रोजाना दोहराती है, जिससे उनके घर में आए दिन दिक्कतें आती रहती है।

- सूर्यास्त के बाद कभी भी दूध, दही और प्याज नहीं देना चाहिए, ऐसा करने से आपका भाग्य रूठ जाता है, फिर चाहे वो बाहर का कुत्ता ही क्यों न हो।
- आम तौर पर लोग खुशी के मौके पर मिठाइयां बांटते है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र कहता है कि हर 2 महीने में दफ्तर में अपने साथियों के संग मिठाई बांटकर खानी चाहिए, इससे तरक्की के रास्ते खुलते है।
- वैसे ये कहनी वाली बात तो नहीं है कि रात में जूठे बर्तन सिंक में नहीं रखने चाहिए, इससे लक्ष्मी जी रूठ जाती है।
- ध्यान रहे कि कूड़ादान ठीक प्रवेश द्वार के आगे न रखे, ऐसा करने से लक्ष्मी जी घर में प्रवेश नहीं करती।
- ध्यान रहे महीने में एक बार घर में खीर जरूर बनाएं और लक्ष्मी जी को भोग लगाकर घर वालों के साथ बैठकर खाएं, इससे घर में दरिद्रता नहीं आती।
- रोज सोने से पहले बाथरूम और किचन में एक बाल्टी पानी भर के रखें, इससे धन लाभ होगा और उन्नति के रास्ते खुलेंगे।

यदि आपके जीवन में बार-बार परेशानियां और रुकावटें आती रहती हैं, तो आप फेंगशुई शास्त्र की मदद से इसमें काफी हद तक परिवर्तन ला सकते हैं यानी दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं और परेशानियों से भी निजात पा सकते हैं।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल देता है ये नेवला

इस दुनिया मे शायद ही ऐसा कोई इंसान होगा जो अपने दुर्भाग्य से पीछा छुड़ाना नहीं चाहता होगा, और व्यक्ति अपने दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के कुछ न कुछ प्रयास करते ही रहता। लेकिन दुर्भाग्य से पीछा छुड़ाना इतना आसान नहीं होता क्योंकि जब अनुभवी लोग कहते है कि अगर किसी इंसान का समय बुरा चल रहा होता है तो उसका खुद का साया भी साथ छोड़ देता है। यदि आपके जीवन में बार-बार परेशानियां और रुकावटें आती रहती हैं, तो आप फेंगशुई शास्त्र की मदद से इसमें काफी हद तक परिवर्तन ला सकते हैं यानी दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं और परेशानियों से भी निजात पा सकते हैं। फेंगशुई शास्त्र सिद्धांत पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी पर आधारित है। यदि घर में पॉजिटिव एनर्जी होगी तो कामों में आसानी से सफलता मिलेगी, जबकि नेगेटिव एनर्जी के प्रभाव से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फेंगशुई में ऐसी अनेक चीजों के बारे में बताया गया है, जिन्हें घर में रखने से बहुत सी परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। ऐसी ही एक चीज है फेंगशुई का नेवला। इसे घर, दुकान या ऑफिस कहीं भी रख सकते हैं। आज हम फेंगशुई नेवले के बारे में बताने जा है जिसको घर या दुकान में रखने से इसके फायदे है आइए जानते है।

बेड लक दूर करता है नेवला

फेंगशुई के अनुसार, नेवला धन- संपत्ति का प्रतीक है। अगर आपका बिजनेस नहीं चल रहा तो आप इसे अपनी दुकान या ऑफिस में भी रख सकते हैं। इससे आपका बेड लक तो दूर होगा ही साथ ही बिजनेस में भी तरक्की होगी। फेंगशुई में नेवले को सोने के सिक्के पर बैठा दिखाया जाता है, जो चल धन-संपत्ति का प्रतीक है।

घर के मुख्य हॉल में रखे फेंगशुई नेवला

अगर आप धन-संपत्ति चाहते हैं तो फेंगशुई के नेवले को घर के मुख्य हॉल में रखें। फेंगशुई शास्त्र के मुताबिक, आप ऐसे नेवले को ले जिसके ऊपर और आस-पास छोटे नेवले दिखाई दे रहे हो। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि ये वंश वृद्धि का प्रतीक है। यानी इसे घर में रखने से वंश की वृद्धि भी संभव है।

ऑफिस में यहां पर रखें

ऑफिस में कुछ समस्या हो तो इसे अपनी टेबल पर भी रख सकते हैं। इससे ऑफिस के माहौल में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी और नेगेटिव एनर्जी कम होगी।

दुकान के दक्षिण दिशा में रखें

अगर दुकान पर किसी की नजर लगी हो तो नेवले को दक्षिण दिशा में इस तरह रखें वो सभी को नजर आए, इससे आपको फायदा हो सकता है।

भगवान शिव की ऐसे करें विशेष पूजा

हम सभी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि सोमवार का दिन भगवान शिव का दिन माना जाता है। सोमवार को भगवान शिव की पूजा करने से वह अपने भक्तों पर जल्द प्रसन्न हो जाते हैं और उनका मनचाहा वरदान उन्हें दे देते हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करने में किसी भी मनुष्य को कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ता है क्योंकि वह आसानी से शिव भगवान को खुश कर सकते हैं। आज हम सपने में शिवजी से जुड़ी चीजें के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे भगवान शिव अपने भक्तों पर प्रसन्न होते है। आइए जानते है।

दौलतमंद बनने के लिए

अमीर बनने के लिए शिव भगवान को कमल का फूल, शंखपुष्पी या बिल्वपत्र चढ़ा दें।

वाहन सुख के लिए

कहा जाता है वहां सुख के लिए शिव पर चमेली का फूल चढ़ाना चाहिए।

विवाह में समस्या दूर करने के लिए

अगर आपका विवाह नहीं हो रहा है तो बेला के फूल को भगवान शिव को अर्पित करें।

पुत्र प्राप्ति के लिए

अगर आप पुत्र चाहते हैं तो शिव जी को धतूरे का लाल फूल वाला धतूरा अर्पित करें।

मानसिक तनाव दूर करने के लिए

मन के तनाव को दूर करने के लिए शिव को शेफालिका के फूल चढ़ाएं।

वस्त्र-आभूषण के लिए

शिव पूजा में कनेर के फूलों के अर्पण से वस्त्र-आभूषण की इच्छा पूरी होती है।

सुख-शांति और मोक्ष के लिए

महादेव की तुलसी के पत्तों या सफेद कमल के फूलों से पूजा करें।

शहर के 147 हितग्राहियों को नोटिस दिया गया, विशेष पेशी दी जा रही

पीएम आवास की राशि निजी काम में कर दी खर्च, दिया अल्टीमेटम, फिर वसूली

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही है। पहले ऐसे हितग्राहियों को खंगाला गया, जिन्होंने पहली किश्त तो ले ली। लेकिन मकान का निर्माण शुरू नहीं किया गया।

ऐसे 147 लोगों को नोटिस देकर बुलायागया। कुछ उपस्थित हुए तो यह बात सामने आई कि उन्होंने पीएम आवास की राशि को निजी काम के लिए खर्च कर दिए हैं। इसके लिए एसडीएम ने 10 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया और इसके बाद वसूली की कार्रवाई करने की बात कही है। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के बीएलसी के 7956 आवासों कि स्वीकृति प्राप्त हुई थी। उस स्वीकृति के विरूद्ध 7778 पूर्ण एवं 178 आवास अलग अलग स्तरों पर शहर के विभिन्न वार्डों में निर्माणाधीन है। इन्हीं निर्माणाधीन आवासो में से 145 आवास पिछले चार वर्शों से अपने निर्माण की गति को आगे नहीं बढ़ाने के कारण निकाय की प्रगति धुमिल भी हो रही है।राशि लेकर आवास निर्माण कार्य नहीं करने वाले हितग्राहियों पर अब प्रशासन ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देष पर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने विभागीय प्रक्रिया कराकर आवास निर्माण की गति को आगे नहीं बढ़ाने वाले हितग्राहियो से राशि वसूलने या निर्माण काम मे गति लाने उन्हे नोटिस जारी कर तहसील कार्यालय में उपस्थित होने 145 हितग्राहियो से कहा गया। इस पर 17 हितग्राही तहसील कार्यालय में उपस्थित हुए। जहाँ एसडीएम गौतम चंद पाटिल ने 24 मार्च 2026 दिन मंगलवार को अपने कार्यालय में योजना का लाभ लेकर लापरवाही बरतने वाले, शासकीय धन का दुरूपयोग करने वाले 17 हितग्राहियो की विशेष पेशी ली और दो टूक शब्दों में उन्हे चेतावनी दी कि आवास निर्माण कार्य में गति लाए या राशि निगम कोष में जमा करे। यदि राषि अन्य कार्यों में खर्च किया तो वसूली की जावेगी और संपत्ति की नीलाम की जायेगी।

इस तरह से मामलों का हुआ खुलासा

पेशी के दौरान यह बात सामने आई की बहुत से हितग्राहियो ने प्रथम किश्त की राशि प्राप्त तो कर ली, लेकिन अपने आवास निर्माण कार्य को आगे नहीं बढ़ाकर अन्य निजी कार्यों में खर्च कर दिया। एसडीएम ने इसे शासकीय राशि का दुरूपयोग मानते हुए सख्त निर्देष दिए है कि 10 अप्रेल 2026 तक अगर आवास निर्माण स्तर आगे नहीं बढ़ाते तो इनके विरूद्ध कानुनी कार्यवाही करने की बात पेशी के दौरान संबंधित हितग्राहियो से की गई

पाहंदा ग्राम पंचायत में 22 लाख रुपए के दुरुपयोग का मामला उजागर, ग्रामीणों में आक्रोश

क्षतिग्रस्त शौचालय का निर्माण नहीं और 22 लख रुपए ले गए छूमंतर

अमलेश्वर। नपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में पंचायत फं ड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। यह मामला वर्ष 2025-26 का बताया जा रहा है, जिसमें वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीण पूर्व पदस्थ सचिव और वर्तमान सरपंच के ऊपर आरोप लगा रहे हैं,जो जांच के बाद स्पष्ट हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा लगभग 22 लाख रुपए पंचायत फंड में शेष रखते हुए वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों को कार्यभार सौंपा गया था। आरोप है कि वर्तमान प्रतिनिधियों द्वारा उक्त राशि का उपयोग एक वर्ष के भीतर ही कर लिया गया। लेकीन बाजार चौक में स्तिथ क्षतिग्रस्त शौचालय का मरम्मत नहीं कर पाया। सूचना के अधिकार के तहत एक ग्रामीण द्वारा मांगी गई जानकारी में खुलासा हुआ है कि मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कई संदिग्ध बिल और वाउचर लगाए गए हैं। आरोप है कि एक ही बिल को दो से तीन बार प्रस्तुत कर राशि आहरित की गई है। साफ -सफाई, नाली सफाई, पेयजल व्यवस्था, यहां तक कि मिठाई एवं नाश्ते के नाम पर भी एक ही बिल को बार-बार पास कराने के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा ग्राम से पाटन और दुर्ग आने-जाने के नाम पर 10,000 से 11,000 रुपए तक के खर्च दर्शाए जाने की बात भी सामने आई है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्राम में इस पूरे मामले को लेकर चौक-चौराहों पर चर्चा तेज है और लोग यह जानना चाहते हैं ।

नान के वेयर हाउस में कम तौल का खेल

राशन दुकान संचालकों का आरोप कम आबंटन कर राशन का किया जा रहा था बंदरबांट

करगी रोड कोटा। कोटा ब्लाक में इन दिनों दुकानदारों को निर्धारित माप से कम राशन आबंटन करने का गंभीर मामला सामने आया है ।कम नाप तौल कर राशन दुकान संचालकों को शार्टेज राशन दिया जा रहा था। कोटा ब्लाक राशन दुकान संचालकों द्वारा पहले भी निर्धारित माप से कम राशन आबंटन की शिकायत की जा रही थी। परन्तु अधिकारियों की मिलीभगत से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही थी। बुधवार को भी जब राशन दुकान संचालकों को जब कम तौल की आशंका होने पर नाप तौल अधिकारी से इसकी शिकायत की गई। नाप तौल अधिकारी निलुषा मिश्रा ने नान वेयर हाउस पहुंचकर धरम कांटा में छेड़ छाड़ होने एवं कम तौल की शिकायत सही पाई गई। तथा मौके पर धरम कांटा सील कर आगे की कार्यवाही की गई। सबसे बड़ा सवाल आखिर जब हर राशन दुकानकार को निर्धारित तौल से कम राशन उपलब्ध कराया जा रहा था तो कोटा ब्लाक में 100 से अधिक राशन दुकानदारों का शार्टेज राशन आखिरकार कहां खपाया रहा था। शार्टेज राशन से प्रत्येक दुकानदारों को कई क्विंटल राशन का चपत लगाया जा रहा था। राशन दुकान संचालक छेटू सिंह ठाकुर का कहना है कि मुझे हर माह निर्धारित मात्रा से कम वेयर हाउस से उपलब्ध कराया जा रहा था। वेयर हाउस से प्राप्त राशन एवं बाहर तौल कराने पर हर माह डेढ़ से दो क्विंटल की कमी थी जिससे मुझे ग्राहकों को राशन देने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोटा नान वेयर हाउस प्रबंधक से फोन से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं किया। इस पूरे मामले में जब नाप तौल अधिकारी निलुषा मिश्रा से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व मुझे दुकानदारों द्वारा लिखित शिकायत की गई थी जिसमें मैने नान वेयर हाउस पहुंचकर मैने धरम कांटा में गड़बड़ी होना पाया। मैने कांटा सील कर प्रबंधक को इंजिनियर से सम्पर्क करने एवं तौल में हो रही गड़बड़ी को सुधरवाने के निर्देश दिए है। बहरहाल कोटा नान वेयर हाउस में राशन शार्टेज उपलब्ध कराकर दुकानकारों को छला जा रहा था पर परन्तु हर माह शार्टेज राशन के कौन अधिकारी जिम्मेदार होगा तथा तथा इतने इतने बड़े पैमाने पर हुए घाल मेल के ऊपर क्या कार्यवाही होती है ये देखने वाली बात होगी।

पंचों का सरपंच के खिलाफमोर्चा, इधर सभा में पंचों पर लगे आरोप, कहा..पद से हटाओ

ग्राम सोमनी के पंचों ने ली प्रेसवार्ता, दूसरी तरफग्राम सभा में पंचों की खिलाफत

सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग नहीं होने बिगड़ा मामला

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत सोमनी के अविश्वास प्रस्ताव ने राजनीति को गरमा दिया है। गुरूवार को पंचायत के 16 पंचों ने प्रेसवर्ता कर सरपंच नीलिमा साहू पर गंभीर आरोप लगाए और उन्हें हर हाल में पद से हटाने की बात कही। वहीं दूसरी तरफ सोमनी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पंच अनुपस्थित रहे। यहां ग्रामीणों ने पंचों की हरकत को गैर-वाजिब बताया और उन पर ही कार्रवाई की बात कही। ग्रामीणों ने पंचों पर भी आरोप लगाया कि व्यक्तिगत लाभ के लिए ऐसा किया जा रहा है इसलिए उन्हें पद से हटाया जाए। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपसरपंच विजय सिंह राजपूत ने बताया कि पंचायत में 20 पंच है, उनमें एक ही मृत्यु हो गई है। 19 में से 16 पंचों ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। दो बार तारीख मिलने के बाद पंचों से मतदान नहीं कराया गया। राजपूत ने एक मामले का जिक्र करते हुए बताया कि सोमनी में स्कूल ग्राउंड है। वहां 6 ट्रिप मुरुम डालने का प्रस्ताव कराया गया। लेकिन मौके पर ऐसा कुछ भी नहीं दिखा। कुल मिलाकर वहां भ्रष्टाचार किया गया। पत्रकारवार्ता में मौजूद पंचों में भी पंचायत में विकास कार्यों को नहीं करने का आरोप सरपंच पर लगाया। उन्होंने कहा कि सरपंच को हटाने का अधिकार उनके पास है, वे उन्हें हटा कर रहेंगे। इस दौरान संतोष यादव, गजेंद्र बंजारे, मती कृष्णा सोनी, नंदा वर्मा, रेणू गोस्वामी, अनिता साहू व अन्य पंच मौजूद रहे।

प्रस्ताव को खारिज करने का लिया निर्णय

एक तरफ सरपंच खिलाफ पंचों ने पत्रकारों के समक्ष अपनी बात रखी। वहीं सोमनी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया, ग्रामीणों ने बताया कि इसकी मुनादी कराई गई। लेकिन 3 पंचों के अलावा दूसरे पंच अनुपस्थित रहे। कानूनी प्रक्रिया जो भी हो, इसके पहले ग्राम सभा बुलाई गई थी। ताकि गांव का जो माहौल खराब हुआ है उस पर चर्चा हो। लेकिन पंच बैठक में नहीं आए। इसलिए ग्रामीणों ने एक स्वर में सरपंच के खिलाफलाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने की बात कही।

मनरेगा के तहत अनारकली को मिला पक्का पशु शेड, दूध व्यवसाय से हो रही अच्छी आमदनी

दुर्ग। ग्राम पंचायत महमरा की रहने वाली अनारकली यादव एक साधारण ग्रामीण महिला हैं, पति रामेश्वर यादव के साथ वे वर्षों से पशुपालन और कृषि कार्य के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। मती अनारकली के पास पहले से कुछ गौधन था, जो उनके जीवनयापन का मुख्य आधार था। लेकिन पशुओं के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पशुओं को कच्चे शेड में रखा जाता था, जहां न तो साफ-सफाई संभव थी और न ही मौसम से सुरक्षा। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। पशुओं को कभी खुले में रखना पड़ता, तो कभी कीचड़ और गंदगी में। इससे पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ता और दूध उत्पादन भी प्रभावित होता था। अनारकली लंबे समय से एक पक्के पशु शेड का सपना देख रही थीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। आखिरकार उन्होंने हिम्मत जुटाई और अपनी समस्या ग्राम सभा में रखी। उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत उनके लिए पशु शेड निर्माण को स्वीकृति दी। करीब 0.95 लाख रुपये की लागत से पक्का पशु शेड बनाया गया। निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत का पूरा सहयोग मिला और इस प्रक्रिया में अनारकली को मजदूरी भी प्राप्त हुई, जिससे उनकी आय में तुरंत सहारा मिला। शेड बनने के बाद जैसे उनकी जिंदगी बदल गई। अब उनके पशुओं को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित आश्रय मिलने लगा। इसका सीधा असर पशुओं के स्वास्थ्य और दूध उत्पादन पर पड़ा। पहले जहां उनके पास लगभग 11 पशु थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 35 के करीब पहुंच गई है।

नहर लाइनिंग का निरीक्षण, किसानों की मांग के अनुसार स्टीमेट बनाने के निर्देश

राजनांदगांव। अवर्धा जलाशय एवं बोटेपार जलाशय से निकलने वाली निर्माणाधीन पक्की नहर लाईनिंग का कलेक्टर जितेंद्र यादव ने निरीक्षण किया। उन्होंने नहर लाइनिंग की कुल लंबाई, निर्माण गुणवत्ता, कार्य की गति तथा डेम की उपलब्ध क्षमता संबंधी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिससे आगामी सीजन में किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि पक्की नहर लाइनिंग कार्य से किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई का स्थायी लाभ मिलेगा। कलेक्टर ने नहर किनारे उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर नहर लाइनिंग कार्य से मिलने वाले लाभ और गांव की समस्याओं की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि पक्की नहर लाइनिंग बनने से पानी का रिसाव कम होगा, सिंचाई सुचारू रूप से खेतों तक पहुंचेगी तथा उत्पादन में वृद्धि की संभावना बढ़ेगी।

बोटेबार के किसानों ने सीसीरोड की मांग रखी

कलेक्टर ने किसानों को पीएम आशा योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त होगी। इस अवसर पर ग्राम बोटेपार के किसानों ने सीसी रोड एवं नाली निर्माण की मांग रखी। कलेक्टर ने उनकी मांगों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को सीसी रोड एवं नाली निर्माण का स्टीमेट तैयार कर बारिश के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि गांव में आवागमन एवं जल निकासी की समस्याओं का समाधान हो सके। कलेक्टर ने किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिंचाई संबंधी सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ तथा पारदर्शिता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अमलेश्वर नगर पालिका की सामान्य सभा में हंगामा, कांग्रेस पार्षदों का बहिष्कार और धरना आय व्यय की नही मिल रही है जानकारी

अमलेश्वर। दुर्ग जिला अंतर्गत नगर पालिका अमलेश्वर में आज विभिन्न विषयों को लेकर सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर ने की, जिसमें 7 प्रमुख विषयों पर चर्चा प्रस्तावित थी। बैठक के दौरान उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय लेखा-जोखा, अतिक्रमण एवं अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई तथा प्लेसमेंट कर्मचारियों की लापरवाही पर बर्खास्तगी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की मांग रखी। अध्यक्ष द्वारा प्रस्तावित 7 बिंदुओं से हटकर चर्चा नहीं करने की बात कहे जाने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसके विरोध में कांग्रेसी उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, नेता प्रतिपक्ष दीपक घींघोड़े, घनश्याम साहू, मीना रानी चेलक, भेज सोनकर, डोमन यादव, लेखनी साहू, हेमलाल साहू, मालती साहू, सेवती निषाद सहित सभी कांग्रेस पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया और सभा से बाहर निकल गए। इसके बाद पार्षदों ने नगर पालिका भवन परिसर में लगभग आधे घंटे तक धरना दिया। पश्चात वे सीएमओ को अल्टीमेटम पत्र देने कार्यालय पहुंचे, लेकिन उनका आवेदन स्वीकार नहीं किया गया, जिससे पार्षदों में नाराजगी और बढ़ गई। इसके बाद उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू के नेतृत्व में पार्षदों ने उप अभियंता डालेंद्र ठाकुर को ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने चेतावनी दी कि जब तक इन प्रमुख मुद्दों पर सहमति नहीं बनती, तब तक बैठक का बहिष्कार जारी रहेगा। मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका अमलेश्वर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। वार्डों में समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं तथा अवैध कब्जा और अवैध प्लाटिंग के मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। इन विषयों पर अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है, जिससे पार्षदों में नाराजगी है। बताया गया है कि इन समस्याओं को लेकर कई बार सीएमओ, तहसीलदार एवं एसडीएम पाटन को आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। नगर पालिका उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने कहा कि जब तक अवैध कब्जों को नहीं हटाया जाएगा।

, तब तक नगर के विकास की रूपरेखा तैयार नहीं हो पाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर में विकास कार्य ठप पड़े हैं ।

भिलाई के अक्षय पात्र फाउंडेशन में 'श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर' का सफल आयोजन

100 बीमित श्रमिकों का हुआ निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार

दुर्ग। प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के निर्देशानुसार कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें (श्रम विभाग) के रिसाली-मरौदा केन्द्र द्वारा अक्षय पात्र फाउंडेशन, सेक्टर-6, भिलाई में 'श्रमवीर स्वास्थ्य जाँच शिविर' का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रभारी बीमा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सूर्या वर्मा के मार्गदर्शन में मेडिकल टीम ने लगभग 100 बीमित श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें मुख्य रूप से रक्तचाप, मधुमेह और रक्त की जाँच कर निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य जाँच के साथ-साथ श्रमिकों को बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें ई.एस.आई.सी. योजना के अंतर्गत मिलने वाले चिकित्सा हितलाभ, नकद हितलाभ, विकलांगता, मातृत्व लाभ तथा द्वितीयक व तृतीयक उपचार संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। शिविर के सफल संचालन में किरण, योगिता पटेल, अनुराधा बघेल, मो. तैयुब अंसारी, घनंजय वर्मा और हुमन ने अपनी महत्वपूर्ण सेवायें दीं। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा आभार व्यक्त किया।

राजस्व समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'राजस्व पखवाड़ा' का आयोजन

अप्रैल से जून तक तीन चरणों में निर्धारित तिथियों में लगेंगे विशेष शिविर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रदेश भर में राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'राजस्व पखवाड़ा 2026' के आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के राजस्व न्यायालयों के कार्यों को सुचारू बनाना, समय-सीमा के बाहर लंबित प्रकरणों का निराकरण करना और आम जनता की समस्याओं को मौके पर ही हल करना है। शासन के निर्देशानुसार यह पखवाड़ा वर्ष 2026 में तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रथम चरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक, द्वितीय चरण 4 मई से 18 मई तक और तृतीय चरण 1 जून से 15 जून तक संचालित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित होंगे। तहसील दुर्ग के अंतर्गत प्रथम चरण के लिए ग्रामवार रोस्टर तैयार किया गया है, जिसके तहत निर्धारित तिथियों पर विभिन्न ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएंगे। इसके अंतर्गत 1 अप्रैल 2026 को ग्राम पंचायत बोरई, ग्राम पंचायत कोटनी, ग्राम पंचायत नगपुरा, ग्राम पंचायत ढाबा, ग्राम पंचायत भेड़सर और ग्राम पंचायत सिरसाखुर्द में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। 2 अप्रैल 2026 को ग्राम पंचायत जेवरा, ग्राम पंचायत करंजा भिलाई, ग्राम पंचायत अरसनारा, ग्राम पंचायत ननकट्टी और ग्राम पंचायत खेदामारा में राजस्व कार्यों का संपादन होगा। इसी प्रकार 3 अप्रैल 2026 के लिए ग्राम पंचायत ढौर, ग्राम पंचायत कुटेलाभाठा और ग्राम पंचायत चिखली में शिविर स्थल निर्धारित किए गए हैं। 6 अप्रैल 2026 को नगर निगम दुर्ग के अंतर्गत आने वाले करहीडीह, उरला, सिकोला, बघेरा, दुर्ग शहर और पुलगांव क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित होंगे। 7 अप्रैल 2026 को ग्राम पंचायत गनियारी, ग्राम पंचायत रसमड़ा, ग्राम पंचायत महमरा, ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) और ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में शिविर लगाए जाएंगे।

बाल विवाह पर प्रशासन की "कड़ी निगरानी" प्रतिबंधन के लिए संयुक्त टीम गठित

बाल विवाह-एक सामाजिक अभिशाप

दुर्ग। रामनवमी, अक्षय तृतीया के अवसर पर शहरी व ग्रामीण स्तर पर अधिकतर भ्रांतियों के चलते बाल विवाह संपन्न कराया जाता है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में बाल विवाह को पूर्णरूप से प्रतिबंधित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति, चाईल्ड लाईन की संयुक्त टीम गठित की गयी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है। 21 वर्ष से कम आयु का पुरूष यदि 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता है तो उसे 02 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 01 लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है अथवा उसकी सहायता करता है, उन्हें दण्डित किया जा सकता है तथा कोई व्यक्ति जो बाल विवाह को बढ़ावा अथवा जानबूझकर उसकी अनुमति देता है, बाल विवाह में सम्मिलित होता है तो उसे भी दण्डित किया जा सकता है। बाल विवाह करना सामाजिक बुराई एवं कानूनन अपराध है। एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों से आम जनता को जागरूक किये जाने तथा किसी भी व्यक्ति को बाल विवाह की जानकारी होने पर महिला।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com